

चतुर्थी पूजा आज

25 सितंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण



किसानों से जुड़े हर कार्य में पारदर्शिता अपनाएं और समय से करें पूरा : डीएम

2

वोट चोरी पर चुनाव आयोग का ई-लॉक

वोटर लिस्ट से नाम हटाने की गड़बड़ी रोकने के लिए शुरू किया नया सिस्टम



एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट से नाम हटाने की गड़बड़ी रोकने के लिए ई-वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है। अब आवेदन करने वालों को ओटीपी वेरिफिकेशन से गुजरना होगा। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी खास घटना के बाद नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है। अब कोई भी व्यक्ति यदि नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति जताएगा, तो उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा। इस कदम का उद्देश्य फर्जी आवेदन रोकना और वोटर लिस्ट को सही-सही बनाए रखना है ईसी अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में लोग आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम और मोबाइल नंबर डाल देते थे। इससे गलत नाम हटाने की कोशिशें होती थीं। नया सिस्टम इस दुरुपयोग को रोकने में मदद करेगा। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी खास घटना के बाद नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है। कर्नाटक की अलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के 6,018 आवेदन ऑनलाइन आए थे। इनमें से केवल 24 ही सही पाए गए, जबकि 5,994 आवेदन गलत निकले। आयोग ने सही पाए गए 24 आवेदन स्वीकार किए और बाकी को खारिज कर दिया। ईसी ने साफ किया कि फॉर्म-7 भरने से नाम अपने आप नहीं हटता, बल्कि सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही फैसला लिया जाता है।

कांग्रेस का आरोप और राहुल गांधी का बयान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी पर ताला तभी लगाया जब उन्होंने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार चोरी हमने पकड़ी और तभी आपको ताला लगाने की याद आई। अब हम चोरों को भी पकड़ेंगे। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से यह भी पूछा कि वे अलंद में वोटर डिलीशन मामले का सबूत कर्नाटक सीआईडी को कब देंगे।

आयोग का स्पष्टीकरण

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि ई-वेरिफिकेशन फीचर केवल पारदर्शिता और गड़बड़ी रोकने के लिए जोड़ा गया है। वोटर चाहे तो ऑनलाइन फॉर्म-सात भर सकता है, लेकिन केवल आवेदन से नाम नहीं हटता। हर आवेदन की गहन जांच और वेरिफिकेशन के बाद ही कार्रवाई होती है। आयोग का कहना है कि यह कदम पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए है। ईसी के इस कदम को चुनावी प्रक्रिया में बड़ा सुधार माना जा रहा है। माना जा रहा है कि मोबाइल वेरिफिकेशन की बाध्यता से गलत और फर्जी आवेदन लगभग असंभव हो जाएंगे। इससे न केवल नाम हटाने की प्रक्रिया साफ-सुथरी होगी बल्कि राजनीतिक दलों के बीच विवाद भी कम होंगे। हालांकि, कांग्रेस और विपक्ष का मानना है कि आयोग को और पारदर्शिता लानी होगी और हर मामले में ठोस सबूत जनता के सामने रखने होंगे।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 62 लाख रुपये के थे इनामी

एजेंसी। गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बुधवार को तीन महिलाओं समेत छह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों पर कुल 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था। प्रतिबंधित माओवादी संगठन के सदस्यों ने पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने नागरिकों के खिलाफ "बेमतलब की हिंसा" और माओवाद के "खोखले दावों" को आत्मसमर्पण का कारण बताया। नक्सलियों ने मुख्यधारा में शामिल होने के अपने फैसले के लिए राज्य सरकार की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति को भी श्रेय दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में उत्तर बस्तर डिवीजन के डिवीजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) भीमन्ना उर्फ सुखलाल मुठैया कुलमेटे (58) और उनकी पत्नी विमलक्का सदमेक (56) शामिल हैं। विमलक्का माओवादी संगठन के माड डिवीजन से जुड़ी थीं। दोनों पर 16-16 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों पर कुल 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस मौके पर डीजीपी शुक्ला ने महाराष्ट्र की विशेष एंटी-नक्सल यूनिट सी-60 की सराहना की और माओवादियों से हिंसा छोड़कर गरिमा के साथ जीवन जीने की अपील की। उन्होंने महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर जवानों की तैयारियों का भी जायजा लिया। बता दें कि पिछले तीन वर्षों में 73 कुख्यात माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। अब तक गढ़चिरोली पुलिस के सामने कुल 716 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

चुनाव बिहार का और सीडब्लूसी की बैठक में चर्चा सीएम योगी की

जाति जनगणना करवाना जरूरी : राहुल गांधी



एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा हम जाति जनगणना करवाना चाहते हैं। हम दूध का दूध पानी का पानी करवाना चाहते हैं। इस देश में दलितों की अति पिछड़ों की पिछड़ों की कितनी आबादी है। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पटना में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने बिहार से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि इस बैठक में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही अपने एक फैसले को लेकर चर्चा में रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने योगी सरकार के एक फैसले की चर्चा की। इसके साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अतिपिछड़ा न्याय संकल्प के कार्यक्रम में बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। हालांकि इस दौरान राहुल गांधी ने भी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के जाति वाले फैसले की भी चर्चा की। पटना में हुई की सीडब्लूसी की। बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस सरकार ने तो आज से 30 साल पहले तमिलनाडु के लोगों के लिए 69 प्रतिशत आरक्षण को संवैधानिक सुरक्षा दी। लेकिन यहां डबल इंजन की सरकार यह कर नहीं सकी। इसका उदाहरण यही है कि पीएम मोदी खुद वो नहीं चाहते कि बिहार आगे बढ़े। खरगे ने कहा कि सबसे अजीब बात है।

उत्तर प्रदेश में क्या हुआ आपने देखा?

वहीं अतिपिछड़ा न्याय संकल्प के कार्यक्रम में कांग्रेस सासंद राहुल गांधी ने कहा हम जाति जनगणना करवाना चाहते हैं। क्योंकि हम दूध का दूध पानी का पानी करवाना चाहते हैं। और दिखाना चाहते हैं कि इस देश में दलितों की अति पिछड़ों की पिछड़ों की कितनी आबादी है. माइनॉरिटीज की आदिवासियों की गरीब जनरल कास्ट की कितनी आबादी है, पूरे देश को पता लगना चाहिए, वो हमारी विचारधारा है। दूसरी तरफ पता नहीं आपने देखा या नहीं, उत्तर प्रदेश में क्या हुआ आपने देखा, आपने देखा कि उत्तर प्रदेश में अब जाति बेस प्रोटेस्ट करना मना है. एक तरफ वो सोच है और दूसरी तरफ हमारी सोच, आज हम यहां क्यों आए, क्योंकि हम अति पिछड़ा वर्ग को एक विजन देना चाहते हैं।

क्या है योगी सरकार का फैसला

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। योगी सरकार के आदेश के अनुसार पुलिस रिकॉर्ड, सरकारी दस्तावेजों, सार्वजनिक स्थानों और सोशल मीडिया पर जाति का कोई उल्लेख नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने जाति के नाम होने वाली राजनीतिक या सार्वजनिक रैलियां और सम्मेलन व सभाओं पर भी प्रतिबंधित लगाने को कहा है।

बीजेपी का पलटवार

राहुल गांधी के जाति जनगणना और उत्तर प्रदेश में आंदोलन को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी भड़काऊ बयान दे रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नेपो किड्स कितनी भी कोशिश कर लें, जनता उन्हें पसंद नहीं करेगी। इसके साथ ही पात्रा ने लेह में हुए हिंसा को लेकर भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तरफ से अति पिछड़ा न्याय संकल्प दस्तावेज और उत्तर प्रदेश में जाति आधारित आंदोलनों पर रोक को लेकर दिए गए बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने जोरदार पलवार किया है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को उकसाने वाले बयान देने से बचना चाहिए।



केंद्र सरकार ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान का बढ़ाया कार्यकाल, 2026 तक संभालेंगे पद

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। सीडीएस जनरल अनिल चौहान जनरल बिपिन रावत (दिवंगत) के बाद अक्तूबर 2022 में देश के दूसरे सीडीएस नियुक्त हुए थे। अब सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत जनरल अनिल चौहान के सेवा विस्तार को 30 मई 2026 तक सेवा विस्तार दिया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। अब वे 30 मई 2026 तक या अगले किसी भी आदेश तक सीडीएस और सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के सचिव के पद पर बने रहेंगे। जनरल अनिल चौहान को सितंबर 2022 में देश का दूसरा सीडीएस नियुक्त किया गया था। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत जनरल अनिल चौहान के सेवा विस्तार को 30 मई 2026 तक या अगले आदेश तक के लिए मंजूरी दे दी है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस का काम थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के काम में बेहतर तालमेल बिठाना। देश की सैन्य ताकत को और अधिक मजबूत करना है।



असम राइफल्स ने 11.4 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की, तीन गिरफ्तार

एजेंसी। आईजोल

असम राइफल्स ने मिजोरम के जौखातार इलाके में नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 11.40 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की है। इस ऑपरेशन में तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। खुफिया इनपुट के आधार पर असम राइफल्स की टीम ने वर्ल्ड बैंक रोड, वाल्के काई, जौखतार क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तीन व्यक्तियों को पकड़ा गया, जो छिपाए गए पैकेटों को निकालने की कोशिश कर रहे थे। तलाशी में 1.377 किलो हेरोइन बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 11.40 करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जारजोसांगा, जोसेफ लालमुंसांगा और माल्साव्मकिमी के रूप में हुई है। जब्त नशीले पदार्थ और आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम्स और नारकोटिक्स विभाग, चाम्फाई को सौंप दिया गया है। इससे पहले 12 सितंबर को भी असम राइफल्स ने इसी इलाके में एक बड़ी खेप पकड़ी थी। उस दौरान जौखतार में नदी किनारे तलाशी अभियान में एक संदिग्ध व्यक्ति बैग छोड़कर भाग गया था। बैग से 2.372 किलो मेथामफेटामाइन टैबलेट्स (करीब 20,200 टैबलेट) बरामद हुई थीं, जिनकी कीमत लगभग 7.11 करोड़ रुपए बताई गई।



शावकों को इस बार गुजरात में भी बसाने की योजना

बोत्सवाना से भारत लाए जाएंगे 10 नए चीते



एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में चीतों की वापसी की योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। दिसंबर तक बोत्सवाना से आठ से 10 नए चीते लाए जाने की संभावना है। कुनो राष्ट्रीय उद्यान में अब तक 27 चीते हैं, जिनमें 16 भारत में जन्मे हैं। यहां शावकों की जीवित रहने की दर 61 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत 40 प्रतिशत से अधिक है। वहीं, माना जा रहा है कि इस बार इन शावकों को गुजरात में बसाया जा सकता है। इस साल के अंत तक भारत में चीतों का एक और नया जत्था विदेश से लाने की तैयारी चल रही है। केंद्र सरकार इसके लिए केन्या, बोत्सवाना और नामीबिया जैसे कई देशों से बातचीत कर रही है। कुछ देशों से बातचीत अंतिम चरण में है। इस मामले की जानकारी रखने वाले उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि, दिसंबर तक नामीबिया या बोत्सवाना से 8 से 10 चीतों का पहला समूह भारत पहुंचने की उम्मीद है। जबकि केन्या से चीतों की खेप अगले साल आ सकती है। यह कदम भारत में चीतों की आबादी को और मजबूत करेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि, भारत में चीता शावकों की जीवित रहने की दर 61 प्रतिशत से भी अधिक है, जो 40 प्रतिशत के वैश्विक मानक से काफी बेहतर है। अभी देश में कुल 27 चीते मौजूद हैं।

बसाने के लिए दो और जगहों की हुई पहचान

सरकार ने भविष्य की योजनाओं के तहत नए चीतों को बसाने के लिए दो और जगहों की पहचान की गई है। इनमें गुजरात का बन्नी घास का मैदान और मध्य प्रदेश का नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं। ऐसी संभावना है कि केन्या से आने वाले चीतों को गुजरात के बन्नी घास के मैदानों में छोड़ा जा सकता है। सरकार की हर साल 10 से 12 चीते भारत लाने की है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार नए ठिकाने तैयार करने में जुटी हुई हैं। प्रोजेक्ट चीता से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, प्रोजेक्ट चीता की सफलता के पीछे भारत के जंगलों में शिकार के लिए जानवरों की अच्छी उपलब्धता और समृद्ध प्राकृतिक आवास एक बड़ा कारण है।

स्वच्छता और मतदान दोनों ही नागरिक कर्तव्यों का अहम हिस्सा : डीएम

- स्वच्छता ही सेवा व मतदान जागरूकता संग मनाया विशेष कार्यक्रम
- राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय बक्सर में पौधरोपण, नुक्कड़ नाटक और युवाओं का उत्साह



केटी न्यूज/बक्सर

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय बक्सर के परिसर में बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी बक्सर डॉ. विद्यानंद सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, स्वीप नोडल पदाधिकारी अमित कुमार, नमामि गंगे पदाधिकारी आलोक नारायण वत्स तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम नरेश राय भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी डॉ. सिंह द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण से हुई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे माहौल ऊर्जा और उत्साह से भर गया।

स्वच्छता और मतदान पर जोर

अपने संबोधन में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि स्वच्छता और मतदान दोनों ही नागरिक कर्तव्यों का अहम हिस्सा हैं। युवाओं को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।ह्व उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे न केवल स्वयं मतदान करें बल्कि आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। वहीं, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी ने युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। स्वीप नोडल पदाधिकारी अमित कुमार और स्वीप आइकन अभिराम सुंदर ने भी प्रेरक भाषण देकर मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

नुक्कड़ नाटक से दिया जन-जागरण का संदेश

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता और मतदान को लेकर जन-जन तक जागरूकता का संदेश देने का प्रयास किया। उनकी प्रस्तुति को खूब सराहना मिली।

इस अवसर पर एनसीसी 30 बिहार बटालियन के कैडेट्स एवं अधिकारी भी मौजूद रहे। उनकी अनुशासित उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। समापन अवसर पर सह-प्राध्यापक डॉ. आर. एन. यादव ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए वोट ऑफ थैंक्स दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सहायक प्राध्यापक आकृति और गौतम कुमार का विशेष योगदान रहा। संपूर्ण आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राम नरेश राय के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान अभियंत्रण कॉलेज के छात्रों ने जिलाधिकारी एवं अन्य वरीय अधिकारियों के समक्ष यह संकल्प लिया कि वे स्वच्छता को अपनी आदतों में शुमार करेंगे तथा लोकतंत्र के प्रत्येक महापर्व पर हर हाल में मतदान करेंगे।

सिमरी में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित स्वच्छता चैम्पियनों का हुआ सम्मान

सिमरी। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत सिमरी प्रखंड परिसर में बुधवार को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सफाई मित्रों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण से जुड़ी जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुई। इस अवसर पर सफाई मित्रों को सुरक्षित स्वच्छता पद्धतियों के महत्व से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने उन्हें बताया कि कार्य के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) का प्रयोग क्यों आवश्यक है और इससे उनकी सेहत कैसे सुरक्षित रहती है। शिविर में सरकार की ओर से सफाई मित्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि सफाई मित्र समाज की रीढ़ हैं और उनकी भूमिका स्वच्छ और स्वस्थ समुदाय के निर्माण में सबसे अहम है। यही कारण है कि उन्हें वास्तविक ह्वस्वच्छता चैम्पियनह्व मानकर सम्मानित किया जाना चाहिए। शिविर में मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी सफाई मित्रों को कचरा-मुक्त भारत के संकल्प का महत्वपूर्ण सहयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रेरित किया गया कि वे अपने कार्य के साथ-साथ सुरक्षा उपायों को भी प्राथमिकता दें। इस आयोजन ने न केवल सफाई मित्रों में आत्मविश्वास जगाया बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि स्वच्छ भारत का सपना तभी पूरा होगा जब सफाई कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा।

किसानों से जुड़े हर कार्य में पारदर्शिता अपनाएं और समय से करें पूरा : डीएम

- बक्सर में कृषि टास्क फोर्स की बैठक संपन्न
- जिलाधिकारी ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश



केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न कृषि एवं संबद्ध विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों से जुड़े हर कार्य में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सबसे पहले जिले में वर्षापात की स्थिति पर विचार हुआ। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि सितम्बर माह का सामान्य वर्षापात 200.20 मि.मी. के मुकाबले 23 सितम्बर तक केवल 124.85 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सतर्क रहते हुए किसानों को उचित सलाह देने के निर्देश दिए।

उर्वरक उपलब्धता और निगरानी

जिलाधिकारी ने उर्वरक प्रतिष्ठानों पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश देते हुए कहा कि छापेमारी कर अनियमितता पाये जाने पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रबी मौसम के लिए पर्याप्त उर्वरक भंडारण और उपलब्धता की तैयारी अभी से सुनिश्चित करने को कहा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले के 190 किसानों का ई-केवाईसी शेष है, क्योंकि वे राज्य से बाहर हैं। समन्वय स्थापित होने पर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिया कि किसानों का एनपीसीआई लिंक शीघ्र कराना सुनिश्चित करें।

किसान रजिस्ट्री और कृषि यंत्रीकरण

बैठक में किसान रजिस्ट्री की स्थिति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने आदेश दिया कि अपर समाहर्ता (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर कार्य समय पर पूरा कराया जाए। कृषि यंत्रीकरण योजना की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर मशीनरी बैंक के अंतर्गत ऐसे समूहों का चयन हो, जो मशीनों को किराए पर उपलब्ध कराकर अधिक से अधिक किसानों को लाभ पहुंचाएं।

लक्ष्य अधूरा रहने पर नाराजगी

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य पूरे न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को प्रखंड, पंचायत और ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला उद्यान पदाधिकारी ने जानकारी दी कि ड्रैगन फ्रूट विकास योजना के अंतर्गत किसानों का चयन लॉटरी प्रणाली से निदेशालय स्तर पर होगा। जिलाधिकारी ने सब्जी, मसाला बीज और फलदार पौधे समय पर उपलब्ध कराने का आदेश दिया। जिला पशुपालन पदाधिकारी को कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पशुपालकों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। वहीं मत्स्य विभाग को योजनाओं और यांत्रिक एरेटर की जानकारी किसानों तक पहुंचाने को कहा गया।

गव्य विभाग को भी मिले निर्देश

गव्य विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए चौक-चौराहों पर फ्लेक्सी बोर्ड लगाने और प्रचार-प्रसार करने का आदेश जिलाधिकारी ने दिया।

अंतिम छोर तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सिंचाई की स्थिति पर सटीक प्रतिवेदन प्रस्तुत करें और यह सुनिश्चित करें कि पानी अंतिम छोर तक पहुंचे।

इस बैठक में जिलाधिकारी ने साफ किया कि कृषि और संबद्ध योजनाओं का लाभ हर किसान तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

दुर्गा पूजा पंडालों में झलकेगी बिहार की संस्कृति, सर्वश्रेष्ठ को मिलेगा पुरस्कार

केटी न्यूज/बक्सर

दुर्गा पूजा के अवसर पर इस बार पूजा पंडालों में बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहर और माटी की पहचान को विशेष रूप से प्रदर्शित करने पर जोर दिया जाएगा। उद्योग विभाग, बिहार, पटना के अपर मुख्य सचिव के पत्रांक 4418 दिनांक 19 सितम्बर 2025 के आलोक में जिला प्रशासन ने पूजा समितियों को ऐसे थीम आधारित पंडाल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। निदेर्शानुसार, पारंपरिक कला, लोक संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और बिहार की समृद्ध विरासत को पंडालों की सजावट और निर्माण में शामिल करने वाली समितियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए सर्वश्रेष्ठ तीन पंडालों का चयन किया जाएगा। चयनित समितियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार स्वरूप प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 25 हजार रुपये, द्वितीय स्थान को 15 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 5 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से जहां पूजा पंडालों की भव्यता बढ़ेगी, वहीं राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और पहचान को नई ऊर्जा मिलेगी। साथ ही लोगों में अपनी परंपराओं के प्रति गर्व और आकर्षण भी बढ़ेगा। जिला प्रशासन ने सभी पूजा समितियों से अपील की है कि वे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव को ध्यान में रखते हुए पंडाल निर्माण करें और बिहार की विशिष्ट पहचान को मंच प्रदान करें।

डुमरांव की दिव्या बनी मिस बिहार सेकेंड रनर-अप टैलेंट और फोटोजेनिक अवॉर्ड से भी हुईं सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर



बिहार की युवा प्रतिभाओं ने एक बार फिर राज्य का नाम रोशन किया है। इसी कड़ी में डुमरांव की 18 वर्षीय दिव्या ने पटना में आयोजित आई ग्लैम मिस बिहार ब्यूटी चौंपियनशिप 2025 में अपनी छाप छोड़ी। इस प्रतियोगिता में दिव्या को मिस बिहार सेकेंड रनर-अप का खिताब मिला, साथ ही उन्हें मिस टैलेंटेड और मिस फोटोजेनिक जैसी दो विशेष उपाधियों से भी नवाजा गया। वर्तमान में 12वीं की छात्रा दिव्या ने यह साबित किया कि मेहनत और आत्मविश्वास के साथ सपनों को साकार किया जा सकता है। उनके पिता, वशिष्ठ सिंह, विद्युत विभाग में कार्यरत हैं, जबकि माता, रुबी देवी, गृहिणी हैं। दिव्या का कहना है कि परिवार का सहयोग और खुद की लगन ही उन्हें इस मुकाम तक लेकर आया है।दिव्या ने बचपन से ही मॉडलिंग में रुचि दिखाई और बिहार की संस्कृति व परंपराओं को नई पहचान देने का सपना देखा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि जीवन में सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर बनने का सपना ही नहीं, बल्कि अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ना भी जरूरी है। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद दिव्या ने अपनी सुंदरता, आत्मविश्वास और विशेष प्रतिभा के बल पर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

नवरात्र के तीसरे दिन विधिवत हुई मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना, भक्तिमय रहा महौल



केटी न्यूज/डुमरांव

शारदीय नवरात्र में घर-आंगन से लेकर मंदिरों तक में सुबह पौ फटते ही भगवती की पूजा-अर्चना शुरू हो जा रही है और रात्रि आरती के बाद ही थम रही है। लोग अपने घरों में कलश की पूजा व दुर्गा सप्तशती का पाठ करने के बाद मंदिरों में मत्था टेकने व पूजा करने पहुंच रहे हैं। इधर, शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन बुधवार को देवी मंदिरों में माता रानी के तीसरे स्वरुप मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से शनिवार को पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही माता के दरबार में पहुंच रहे श्रद्धालु मां को अड़हुल का फूल, नारियल व चुनरी-सिंदूर चढ़ाकर शरणागत हो रहे थे। आचार्य पं. आदित्य तिवारी बतातें हैं कि मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप को चंद्रघंटा के नाम से जानते हैं। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन मां को अन्य भोग के अलावा शक्कर और पंचामृत का भोग लगाना चाहिए। मान्यता है कि यह भोग लगाने से मां दीघार्यु होने का वरदान देती हैं। इनके पूजन-अर्चन से व्यक्तित्व में वैराग्य, सदाचार और संयम बढ़ता है। मां चंद्रघंटा के वंदन से मन को परम सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती है जो मन को बहुत शांति प्रदान करती है। चूंकि इनका वर्ण स्वर्ण जैसा चमकीला है और यह हमेशा आसुरिक शक्तियों के विनाश के लिए सदैव तत्पर रहती हैं, इसलिए इनकी आराधना करने वाले को भी अपूर्व शक्ति का अनुभव होता है। मां चंद्रघंटा की पूजा करने से भक्तों को तेज और ऐशवर्य की प्राप्ति होती है। आचार्य ने बताया कि देवी चंद्रघंटा का स्वरूप अत्यंत शांतिदायक और कल्याणकारी है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। उनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसलिए उन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। दस भुजाओं वाली देवी प्रत्येक हाथ में अलग-अलग शस्त्र से सुशोभित हैं। उनके गले में सफेद फूलों की माला सुशोभित है। यद्यपि वह दुष्टों पर अत्याचार करने और उन्हें नष्ट करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, फिर भी उनका रूप देखने वाले और उपासक के लिए सौम्यता और शांति से भरा रहता है। वे भक्तों के कष्टों का निवारण शीघ्र ही कर देती हैं। सिंह इनका वाहन है।



अंचल कार्यालय में बवाल, युवाओं ने आरटीपीएस काउंटर पर भ्रष्टाचार का लगाए आरोप

- जाति, आवासीय व ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों में भ्रष्टाचार के आरोप, सीओ ने दी जांच की चेतावनी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अंचल कार्यालय बुधवार को रणभूमि में तब्दील हो गया, जब अचानक सैकड़ों लोग आरटीपीएस सेवाओं में धांधली और आर्थिक उगाही के आरोप लगाते हुए दफ्तर में घुस आए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि जाति, आवासीय, ईडब्ल्यूएस और एनसीएल प्रमाणपत्रों की सेवा अब कैश ऑन डिमांड सिस्टमष में बदल गई है। जो पैसा दे, उसका आवेदन दो दिन में निपटा दिया जाता है और जो जेब ढीली न करे, उसका आवेदन महीनों तक पेंडिंग पड़ा रहता है।



साइबर कैफे और कर्मियों की मिलीभगत

प्रदर्शनकारियों ने एक और बड़ा खुलासा किया। उनका कहना था कि अंचल कार्यालय के कर्मियों की कई साइबर कैफे संचालकों से मिलीभगत है। कैफे वाले मोटी रकम लेकर आवेदन सीधे कर्मियों तक पहुंचा देते हैं और 24-48 घंटे में प्रमाणपत्र निकलवा देते हैं। नतीजा यह कि गरीब छात्र और अभ्यर्थी, जो पैसा नहीं दे पाते, उनके आवेदन सिस्टम में हफ्तों तक अटके रहते हैं। प्रदर्शन के दौरान कई युवाओं ने अपने आवेदन की कॉपियां सबके सामने दिखाई। इनमें साफ लिखा था कि दो दिन पहले किया गया आवेदन अप्रूव होकर तैयार है, जबकि पखवाड़े भर पुराने आवेदन का स्टेटस अब तक प्रोसेसिंग में अटका हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कार्यालय ने मजबूरियों को कारोबार बना डाला है। किसी गरीब का राशन कार्ड हो या छात्र का परीक्षा फॉर्म, सब कुछ इस ह्लकैश ऑन डिमांड सिस्टमह्व पर निर्भर है।

सीओ कुमार दिनेश की सफाई

हंगामे के बीच प्रभारी अंचलाधिकारी कुमार दिनेश खुद आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे और सभी को अपने कक्ष में बुलाकर एक-एक कर शिकायतें सुनीं। उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मेरे प्रभार में यह पहली बार ऐसी शिकायत सामने आई है। फिर भी जांच होगी। अगर किसी कर्मी की संलिप्तता पाई गई, तो तत्काल कार्रवाई होगी। सीओ ने आरटीपीएस काउंटर पर तैनात तीनों कर्मियों को मौके पर बुलाकर फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कहा कि पारदर्शिता जिला प्रशासन का पहला उद्देश्य है और भ्रष्टाचार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर संजय यादव, संजीव यादव, सुनील कुमार, धर्मेंद्र यादव, निर्मल यादव, उपेंद्र यादव, संजय कुमार, मंजय यादव, बबलू यादव, सोनू कुमार, कृष्णा कुमार, धर्मेंद्र कुमार, छोटका यादव, अमित शर्मा, जीउत यादव, बीडीसी नंदन गांव के हरेंद्र यादव, विकास कुमार, अभिषेक रंजन, पिंटू कुमार, मंजीत कुमार, घूरूल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मेरे प्रभार में पहली बार ऐसा मामला आया है। आरटीपीएस सेवाओं के लिए वैकल्पिक तकनीकी व्यवस्था की गई है। जांच होगी और भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कुमार दिनेश, प्रभारी अंचलाधिकारी, डुमरांव

नेतृत्व कर रहे समाजसेवी हरेकृष्ण सिंह यादव ने कहा कि 21 दिन की निर्धारित अवधि सिर्फ कागजों में है। अगर कैश पर्ची जमा कर दीजिए तो प्रमाणपत्र 48 घंटे में आपके हाथ में होगा, वरना हफ्तों-दर-हफ्तों चक्कर लगाते रहिए। संचालन कर रहे युवा नेता दीपक यादव ने सीधा आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय सेवा का नहीं, सुविधा शुल्क का अड्डा बन चुका है।

भाजपा और विधायक आमने-सामने, विकास बनाम आरोपों की जंग तेज

प्रवासी पक्षी की तरह है डुमरांव विधायक चुनाव बाद नहीं आएंगे नजर : भाजपा



- डुमरांव की राजनीति में सड़क और शब्दों की जंग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की राजनीति इन दिनों सड़क निर्माण कार्य और विवादित बयानों को लेकर गरमा गई है। एक ओर भाजपा कार्यकर्ता और युवा मोर्चा विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं, वहीं विधायक विकास कार्यों की सूची गिनाकर विपक्ष पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं।

विवाद की शुरूआत तब हुई जब भाजपा कार्यकताओं ने शहर की मुख्य सड़क निर्माण में देरी को मुद्दा बनाया। नाराज कार्यकताओं ने विधायक का पुतला दहन किया और तस्वीर गधे पर लगाकर नगर में घुमाया। इस प्रदर्शन ने स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी।

भाजपा के विरोध के बाद विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर भाजपा कार्यकताओं को ह्लुच्चा-लफंगाह्व कह डाला। उनके इस बयान ने माहौल को और अधिक गरमा दिया और विपक्ष को हमला बोलने का अवसर मिल गया।

भाजपा युवा मोर्चा का तीखा हमला

इसके जवाब में भाजपा युवा मोर्चा ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाए। युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि विधायक का बयान न केवल कार्यकताओं बल्कि जनता का भी अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का फर्जी उद्घाटन कर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है और विभिन्न संस्थाओं से आर्थिक लाभ लिया है। युवाओं ने अनुमंडल अस्पताल की सफाई व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एजेंसियों की अदला-बदली भी लाभ कमाने का साधन बनी रही, जबकि अस्पताल की हालत जस की तस है। भाजपा नेताओं ने विधायक को ह्लअर्बन नक्सलीह्व तक कह डाला और आरोप लगाया कि जमीन खिसकते देख वे अभद्र भाषा का सहारा ले रहे हैं। दीपक ने कहा कि डुमरांव में सड़क निर्माण का श्रेय विधायक ले रहे है, लेकिन निर्माण की मंथर रफ्तार से व्यवसायियों, छात्रों, मरीजों तथा आम लोगों को फजीहत झेलनी पड़ रही है। त्योहार के ऐन वक्त पर सड़क निर्माण होने से व्यवसाय चौपट हो रहा है। मैने डुमरांव के व्यवसायियों के कहने पर पुतला दहन का नेतृत्व किया था, जबकि विधायक ने मेरे खिलाफ अपशब्द कह पूरे व्यवसायी समाज व शहरवासियों को गाली दी है। दीपक ने कहा कि हमारे लिए राजनीति अलग मुद्दा है और समाज सेवा अलग, मैं कभी भी समाज की सेवा से पीछे नहीं हटूंगा, इसके लिए भले ही विधायक मुझे कुछ भी कहे।

भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं - विधायक

वहीं, विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। हमारे प्रेस कॉफ्रिंस के बाद जानबूझकर प्रेस वार्ता आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता सब समझ रही है।

प्रेस वार्ता कार्यक्रम भाजपा नेता मुखिया सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ था। मौके पर भाजपा नेता रोहित सिंह, शुभम सिंह, शिवजी शर्मा, प्रभाकर आदि मौजूद थे।

प्रवासी पक्षी है विधायक, चुनाव बाद नही दिखेंगे : शक्ति राय

वहीं, भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय ने कहा कि डुमरांव विधायक प्रवासी पक्षी की तरह है तथा चुनाव बाद वे नजर नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ चुनाव जीतने के बाद ही डुमरांव आए है, अभी तक अपना स्थायी आशियाना भी नहीं बना पाए है। उन्हें पता है कि इस चुनाव में जनता उन्हें हराकर यहां से हटाने वाली है। शक्ति राय ने कहा कि माले का इतिहास ही हिंसा व अपशब्दों का रहा है। डुमरांव विधायक इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे है, लेकिन डुमरांव की जनता आगामी चुनाव में इसका मुंहतोड़ जबाव देगी।

हिन्दू त्योहारों को जानबूझकर किया जा रहा है टॉरगेट : सौरभ तिवारी

वहीं, युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि जिस तरह डुमरांव विधायक छात्र राजनीति से आए है, उसी तरह दीपक यादव भी छात्र राजनीति की पाठशाला से ही आए है। विधायक जिस भाषा का प्रयोग कर रहे है वह कही से भी संसदीय नहीं है। सौरभ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ईंट का जबाव पत्थर से देना जानते है। वहीं, सौरभ ने कहा कि पूरे राज्य में माले तथा राजद समर्थित विधायकों द्वारा जानबूझकर अपने चहेते ठेकेदारों से त्योहारी सीजन में सड़क निर्माण कराया जाता है, ताकि हिन्दुओं का त्योहार बाधित हो। उन्होंने डुमरांव विधायक को हिन्दू विरोधी बताया और कहा कि इस चुनाव में डुमरांव की जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

ग्रामीण श्रमिकों के अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित



बक्सर। संयुक्त श्रम भवन आईटीआई कैंपस बक्सर में बुधवार को एक दिवसीय ग्रामीण श्रमिक प्रशिक्षण शिविर सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रम अधिकार दिवस के अवसर पर श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता बक्सर एवं अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) बक्सर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद कार्यशाला की शुरूआत हुई, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए श्रमिक भाइयों को श्रम विभाग की योजनाओं और कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 और बाल श्रम अधिनियम 1986 के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि श्रमिकों को उनकी मेहनत का पूरा हक मिले, इसके लिए न्यूनतम मजदूरी अधिनियम बनाया गया है। वहीं, बाल श्रम अधिनियम बच्चों को मजदूरी से दूर रखकर शिक्षा से जोड़ने का संवैधानिक प्रावधान करता है।

प्रवासी और कामगार योजनाओं पर चर्चा : इस मौके पर बिहार प्रवासी योजना और बिहार शताब्दी कामगार योजना के बारे में भी विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने समझाया कि इन योजनाओं से प्रवासी मजदूरों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। साथ ही बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कामगार बोर्ड की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। श्रमिकों को बताया गया कि बोर्ड में निबंधन कराने पर उन्हें विभिन्न तरह की अनुदान योजनाओं का लाभ मिल सकता है।

श्रमिकों को किया गया जागरूक : अधिकारियों ने कहा कि जिले के सभी पंचायतों में श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाएगी। श्रमिक भाइयों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक होने और समय-समय पर श्रम विभाग से संपर्क कर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता बक्सर, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) बक्सर, सहायक श्रमायुक्त, श्रम अधीक्षक बक्सर समेत जिले के सभी प्रखंडों के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेहनताना न मिलने से जूझ रहे पीडीएस विक्रेता, भुखमरी की कगार पर पहुंचे

केटी न्यूज/डुमरांव

जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेता पिछले सात माह से मेहनताना यानी मार्जिन मनी के भुगतान से वंचित हैं। फरवरी से अगस्त तक की राशि न मिलने से विक्रेताओं की आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। परिवार के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें कर्ज का सहारा लेना पड़ा, लेकिन अब कर्जदाता भी हाथ खड़े करने लगे हैं। नवानगर प्रखंड अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष शिव चन्द्र सिंह ने कहा कि विक्रेता इतनी विपरीत परिस्थिति में हैं कि कहीं कोई आत्मघाती कदम न उठा लें। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी नौबत आने पर क्या सिस्टम इसकी जिम्मेदारी लेगा? अनुमंडल अध्यक्ष भुटेश्वर सिंह ने कहा कि फरवरी से मई तक की मार्जिन मनी बिहार सरकार ने जिले को भेज दी है, लेकिन जिला प्रशासन अब तक विक्रेताओं के खाते में राशि हस्तांतरित नहीं कर पाया है। नगर अध्यक्ष पारस नाथ सिंह ने आशंका जताई कि दशहरा, दीपावली और छठ जैसे बड़े पर्व भी विक्रेताओं के लिए बेरौनक गुजरेंगे क्योंकि भुगतान की कोई संभावना नहीं दिख रही। वहीं, डीएमएसएफसी द्वारा भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। महिला विक्रेता उर्मिला देवी ने बताया कि उनकी बच्ची का स्टोन ऑपरेशन पैसों की कमी से अटका हुआ है। अनुमंडल सचिव शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि स्कूलझकॉलेजों से फीस जमा करने का दबाव बढ़ रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होने की आशंका है। स्थिति से क्षुब्ध विक्रेता अब आंदोलन की राह पकड़ने और राशन वितरण बंद करने के मूड में हैं। उनका कहना है कि जब पेट ही खाली रहेगा तो राशन व्यवस्था चलाना असंभव है-भूखे भजन न होई गोपाला।



स्कूली बच्चों की कला से गूंजा स्वच्छता का संदेश

चौगाई। स्वच्छ भारत मिशन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चल रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत बक्सर जिले के चौगाई प्रखंड में बुधवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालयों के बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने रंग-बिरंगी तस्वीरों के जरिए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत जैसे विषयों को जीवंत कर दिया। उनकी कृतियों में साफ-सुथरे गांव, कचरा मुक्त सड़कें और हरियाली से भरपूर वातावरण की झलक दिखाई दी। शिक्षकों और अधिकारियों ने बच्चों की इस पहल को सराहते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों की प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि उनमें जिम्मेदार नागरिक बनने का भाव भी जगाती हैं। वक्ताओं ने यह भी कहा कि स्वच्छता को केवल एक अभियान मानकर सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है। प्रतियोगिता के अंत में विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, ताकि उनमें आगे भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने का उत्साह बना रहे। गांव-गांव और स्कूल-स्कूल में चल रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान का यही उद्देश्य है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर स्वच्छता की जिम्मेदारी समझे।





भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने डॉ. राजीव कुमार झा, लगा बधाईयों का तांता

केटी न्यूज/बक्सर

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने संगठन को और मजबूती देने की दिशा में वरिष्ठ चिकित्सक एवं रोगी कल्याण समिति के सक्रिय सदस्य डॉ. राजेश मिश्र को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और कुशल चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. राजीव कुमार झा को बक्सर जिला संयोजक का दायित्व सौंपा है। इस मनोनयन के बाद जिले भर में बधाइयों का तांता लग गया है।

डॉ. राजीव कुमार झा न केवल एक अनुभवी चिकित्सक हैं, बल्कि समाजसेवा में भी उनकी विशेष पहचान है। खासकर कोरोना काल के दौरान उन्होंने पीड़ित मानवता की सेवा में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उस कठिन समय में उन्होंने मरीजों और जरूरतमंदों की हरसंभव मदद कर लोगों के दिलों में जगह बनाई। उनकी इस संवेदनशीलता और सेवा भाव ने उन्हें समाज के बीच एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया है।

प्रदेश संयोजक डॉ. मृणाल और प्रकोष्ठ के नेतृत्व ने इस जिम्मेदारी के लिए डॉ. झा और डॉ. मिश्र का चयन कर संगठन की सोच और दिशा को स्पष्ट किया है। कार्यकताओं का मानना है कि इनकी सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मक नेतृत्व से भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की गतिविधियां न सिर्फ बक्सर जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में और प्रभावी होंगी।

बक्सर जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, चिकित्सकों और भाजपा कार्यकताओं ने दोनों चिकित्सकों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि चिकित्सा प्रकोष्ठ जैसे मंच पर अनुभवी और सेवा भावी व्यक्तित्व का जुड़ना संगठन के साथ-साथ समाज के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है।

विश्वास जताया जा रहा है कि डॉ. राजेश मिश्र और डॉ. राजीव कुमार झा के मार्गदर्शन से चिकित्सा प्रकोष्ठ की गतिविधियां और तेज होंगी, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

बक्सर भाजपा इकाई ने भी इस अवसर पर दोनों को हार्दिक अभिनंदन किया और आशा जताई कि उनकी सक्रिय भूमिका से संगठन और अधिक मजबूत होगा।



चुनाव तैयारी पर भाजपा नेता डॉ. मनीष ने कार्यकर्ता सम्मेलन पर की चर्चा

- 26 सितंबर को बिक्रमगंज में एनडीए गठबंधन विधानसभा की भरेंगे हुंकार

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार में होने वाली आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर काराकाट विधानसभा चुनाव तैयारी पर भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने एनडीए गठबंधन के कार्यकताओं साथ एनडीए के जीत की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। जिसको लेकर 26 सितंबर को बिक्रमगंज में आयोजित होने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर एनडीए कार्यकताओं के साथ विशेष चर्चा की। उन्होंने बताया कि 2025 की होने वाली बिहार



विधानसभा चुनाव में पुनः एक बार एनडीए की सरकार बननी तय नजर आ रही हैं। जिसको लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ता अपनी विजयी पथ की ओर अग्रसर होने के लिए महागठबंधन को घेरने की रणनीति बनाने में जुटे है। एनडीए कार्यकताओं से बात विमर्श करते हुए काराकाट भावी प्रत्याशी भाजपा नेता डॉ. मनीष ने कहा कि एनडीए कार्यकर्ता काराकाट विधानसभा में जीत का परचम लहराने के लिए संकल्पित होते हुए कहा कि बिहार 2025 विधानसभा चुनाव एनडीए गठबंधन अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ा जायेगा और जिसमें काराकाट विधानसभा सहित पूरे बिहार में राजग 220 से अधिक सीटों पर मतदाता के मताधिकार से जीत हासिल कर पुनः एनडीए गठबंधन सरकार बनायेगा। साथ ही काराकाट विधानसभा के एनडीए कार्यकताओं मंशा जाहिर करते हुए कहा कि इस राजग बिहार विधानसभा की 243 सीट में से 220 से अधिक पर जीत दर्ज करेगा। इसके लिए घटक दलों के बीच एकजुटता साथ तालमेल काफी जरूरी है। जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ता सम्मेलन लिए बिक्रमगंज में चुनाव के जीत का 26 सितंबर को हुंकार भरेगा। जिस कार्यक्रम में एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेता भी शामिल होकर राजग कार्यकर्ता को विधानसभा चुनाव का जीत का फामूर्ला देंगे। मौके पर मंडल अध्यक्ष-सुरेश गुप्ता, ललित मोहन सिंह, मुन्ना पांडे, भीम पांडे, संजय सिंह, रमाशंकर सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष उतम सिंह, अजय यादव, कमल किशोर,दिनेश सिंह, रघुवंश सिंह, हरेंद्र हरियाली, हरिद्वार यादव,अरुण सिंह, लल्लू सिंह, आशुतोष सिंह, सुनील सिंह, मनमोहन तिवारी, लप्पू सिंह,गुड्डु यादव, विवेक कुशवाहा,अनिल सिंह,रमेश सिंह, अनिकेत सिंह, मुन्ना बोल्ट सहित सैकड़ों लोगों ने चर्चा में भाग लिया।

124 विकास योजनाओं का डिजिटल विधि से किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रोहतास जिला को दिया 921 करोड़ का सौगात

केटी न्यूज/रोहतास

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रोहतास जिले को बुधवार को कुल 921 करोड़ रुपये की लागत से 124 विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इन योजनाओं के पूरा होने से जिले में सड़क, पुल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, ग्रामीण और शहरी विकास के क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी। जिसमें मुख्य रूप से पथ निर्माण विभाग, पुल निर्माण विभाग, ऊर्जा विभाग बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड एवं साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, शिक्षा विभाग, योजना एवं विकास विभाग,नगर एवं आवास विभाग के योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया।

इन योजनाओं से रोहतास जिले में बेहतर सड़क संपर्क, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति,पर्यटन,शिक्षा की नई सुविधाएँ और शहरी विकास में तेजी



आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि जिले के हर गांव और शहर तक विकास की रोशनी पहुंचे। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा ह्यप्रगति यात्राह्ल के अवसर पर रोहतास जिले में विकास की 14 योजनाओं की घोषणा की गई थी, जिनकी अनुमानित लागत 935.1294 करोड़ रुपये है। जो 24 सितंबर को कुल 09 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। जिन पर 515.60 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। रेहल से रोहतासगढ़ किला होते हुए चौरासन मंदिर तक पथ का निर्माण। जिसकी लागत 66.89 करोड़ रुपए है। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल डेहरी द्वारा किया जाएगा। कुदरा,चेनारी, मल्लीपुर पथ का चौड़ीकरण। जिसकी लागत 147.00 करोड़ है। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल कोचस द्वारा किया जाएगा। इन्द्रपुरी जलाशय के पास पर्यटन हाट का निर्माण। जिसकी लागत 25.98 करोड़ है। इसका निर्माण पर्यटन विभाग द्वारा किया जाएगा। कोचस में पुराने बस स्टैंड की जगह नए बस स्टैंड का निर्माण होगा। जिसकी लागत 2.67 करोड़ रुपए है। इसका निर्माण बुडको, रोहतास, सासाराम द्वारा किया जाएगा। पुरानी जीटी रोड से बबुरा मोड़ तक कैनाल पथ का जीर्णोद्धार एवं चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। जिसकी लागत 9.01 करोड़ है। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल कोचस द्वारा किया जाएगा। नोखा-नासरीगंज पथ में सोन नहर पर उच्च स्तरीय आरसीसी पुल का निर्माण। जिसकी लागत 26.77 करोड़ है। इसका निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम, रोहतास द्वारा किया जाएगा। डेहरी-अकोढ़ी गोला-तेतराढ-राजपुर पथ, आयरकोठा,अकोढ़ी गोला, अमरा तालाब पथ का चौड़ीकरण किया जाएगा। जिसकी लागत 177.20 करोड़ है। इसका निरमा पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल डेहरी द्वारा किया जाएगा। डेहरी-बिक्रमगंज-दिनारा पथ के दिनारा बाजार भाग एवं नटवार बाजार भाग में नाला निर्माण किया जाएगा। जिसकी लागत 5.99 करोड़ है। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल कोचस द्वारा किया जाएगा।कोचस में आरा-मोहनिया पथ पर बाईपास का निर्माण किया जाएगा। जिसकी लागत 54.09 करोड़ है। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल कोचस द्वारा किया जाएगा। इन योजनाओं से रोहतास जिले में बेहतर सड़क संपर्क, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, पर्यटन, शिक्षा की नई सुविधाएं और शहरी विकास में तेजी आएगी। जो सरकार का लक्ष्य है कि जिले के हर गांव और शहर तक विकास की रोशनी पहुंचे। बिहार में शिक्षा,स्वास्थ्य, सड़क, पुल और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं।

झगड़ा सुलझाने के दौरान मारपीट व फायरिंग

- फायरिंग के दौरान गोली लगने से छोटा एवं मारपीट में बड़ा भाई जख्मी
- जख्मियों का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज
- करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव में बुधवार की दोपहर घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

जिले के करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव में बुधवार की दोपहर झगड़ा सुलझाने के दौरान मारपीट व फायरिंग कर दी गई। जिसमें फायरिंग के दौरान गोली लगने से छोटे भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी अधेड़ को गोली बाय साइड पंजड़ी में लगी है। वहीं मारपीट के दौरान उनके बड़े भाई जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा जख्मियों को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है। उधर घटना किसी सूचना मिलते ही करनामेपुर थानाध्यक्ष

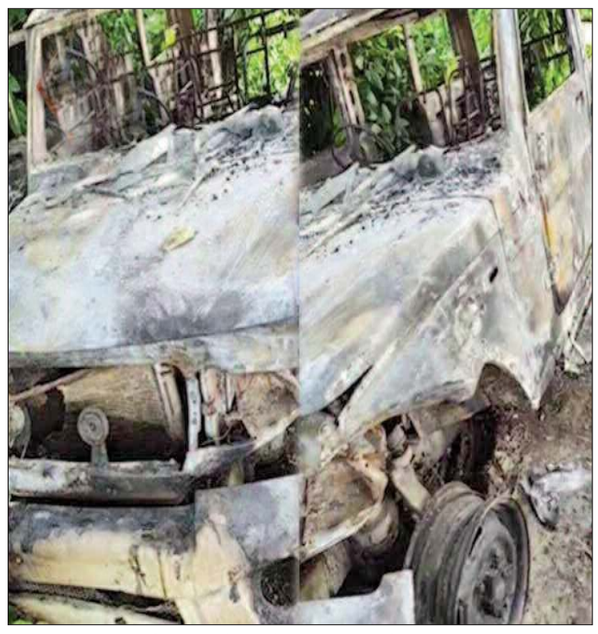


कन्हैया कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जख्मियों के परिजन से मिल घटना की जानकारी ली इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन जुट गई है। जानकारी के अनुसार गोली से जख्मी करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी स्व.घिरण यादव के 50 वर्षीय पुत्र लाल यादव है। जबकि मारपीट मे उनके बड़े भाई 60 वर्षीय लक्ष्मण यादव जख्मी है। इधर, लक्ष्मण यादव ने बताया कि दूसरे टोला के अखिलेश यादव अपने अन्य छह-सात अन्य लोगों के साथ उनके घर से कुछ दूरी पर आपस में झगड़ा कर रहा था। तभी लक्ष्मण यादव उन्हें बोलने गए कि यहां पर झगड़ा मत करो। तभी अखिलेश यादव अपने अन्य लोगों के साथ मिलकर को मारपीट कर जख्मी कर दिया। जब उसके छोटे भाई एवं उनके गांव के सभी लोग इकट्ठे हुए। तभी अखिलेश यादव ने फायरिंग कर दी। जिसमें फायरिंग के दौरान उनके छोटे भाई लाल यादव को गोली लग गई। जिससे दोनों जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर मारपीट में जख्मी लक्ष्मण यादव ने अखिलेश यादव पर गोली मारने एवं उसके साथ रहे अन्य लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

मोतिहारी में चलते-चलते धू-धू कर जली बोलेरो गाड़ी से कूदकर 4 लोगों ने बचाई अपनी जान

एजेंसी/ मोतिहारी

मोतिहारी के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मटियारिया-घीवाढार मुख्य मार्ग पर एक चलती बोलेरो अचानक धू धू कर जलने लगी। गाड़ी में चालक और चार लोग सवार थे। आग लगने के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया जबकि उसमें बैठे 4 लोगों ने किसी तरह गेट खोलकर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। मिली जानकारी के अनुसार बोलेरो कुशहर गांव निवासी भूपेंद्र कुमार मिश्रा की बताई जा रही है। चालक चार लोगों को भाड़े पर लेकर कृतपुर में एक ओझा के पास झाड़-फूंक कराने जा रहा था। इसी दौरान मटियारिया और घीवाढार के बीच अचानक गाड़ी में आग लग गई। चालक तत्काल गाड़ी छोड़कर फरार हो गया, वहीं बाकी सवार लोग तुरंत बाहर निकल आए। इसी बीच गश्ती दल में शामिल पीएसआई शिखा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही हरसिद्धि



थाना से फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया तब तक बोलेरो पूरी तरह जल कर राख हो चुका था, हरसिद्धि थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि बोलेरो में आग लगने से बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल वाहन को घटनास्थल पर ही रखा गया है और इस संबंध में अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

दुर्गा पूजा में डीजे पर रोक, पंडालों में सीसीटीवी और अग्निशामक यंत्र लगाना हुआ अनिवार्य

एजेंसी/मधेपुरा

मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल के पुरैनी में दुर्गा पूजा को लेकर पुरैनी थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. एसडीएम पंकज घोष की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एसडीपीओ अविनाश कुमार, बीडीओ अमरेंद्र कुमार, सीओ विद्यानंद झा, नव पदस्थापित थाना अध्यक्ष चंद्रजीत प्रभाकर सहित बैठक में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, बुद्धिजीवी वर्ग तथा प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने



को लेकर विस्तृत चर्चा की गई.एसडीपीओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि पूजा पंडालों में डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे और फायर एक्सटिंगिशर लगाने का निर्देश दिया. उन्होंने लोगों से अपील की कि दुर्गा पूजा आपसी भाईचारे, श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक है, इसलिए सभी मिल-जुलकर इस त्योहार को शांति और अनुशासन के साथ मनाएं. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पूजा के अवसर पर लगने वाले मेलों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी.शरारती तत्वों एवं किसी भी प्रकार से पूजा में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.आम नागरिकों को निर्देश दिया गया कि किसी भी विशेष परिस्थिति या अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत स्थानीय थाना अथवा डायल 112 पर सूचना दें.इस दौरान एसडीपीओ अविनाश कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की पैनी नजर है किसी प्रकार का आपत्तिनजक वीडियो या टिप्पणी वायरल करने वालों पर सख्त कारवाई की जाएगी. एसडीएम पंकज घोष ने कहा कि मेला और पूजा पंडालों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती के लिए स्थल चिन्हित कर लिए गए हैं. मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष रौशन कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि निर्मल ठाकुर , सरपंच उमेश सहनी, मुखिया मोहम्मद वाजिद, पूर्व मुखिया पुष्प रंजन राय, पूर्व मुखिया पवन केडिया, आदि मौजूद थे।

बिहार में प्याज लदे ट्रक में लाई जा रही थी 25 लाख की विदेशी शराब, पुलिस ने दो तस्करों को धर-दबोचा

केटी न्यूज/भोजपुर

बिहार के भोजपुर में मद्यनिषेध विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है. जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर बक्सर-पटना फोरलेन पर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई. पुलिस को सूचना मिली थी कि हरियाणा से एक बारह चक्का ट्रक में भारी मात्रा में विदेशी शराब लाई जा रही है. सुबह-सुबह दौलतपुर ओवरब्रिज के पास वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक (फख19त्रह्ल-4248) को रोका गया. जांच के दौरान पुलिस ने देखा कि ट्रक में प्याज के बोरे रखे गए हैं, जिनके नीचे शराब की पेटियां छिपाई



गई थीं. सड़े-गले प्याज की खुशबू ने तस्करों की चाल को छुपाने का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस की सतर्कता के कारण यह योजना बेनकाब हो गई. सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश ने बताया कि पकड़े गए ट्रक चालक देवा राम और उसके साथी जसराज, दोनों ही बाड़मेर, राजस्थान के निवासी हैं. उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए अदालत में पेश किया जाएगा. ट्रक से कुल 2,160 लीटर अवैध शराब बरामद हुई. इसमें इंपीरियल ब्लू ग्रीन व्हिस्की 375 एमएल की 129 बोतलें और मेक डेविल नंबर-01 डीलक्स व्हिस्की 750 एमएल की 2,232 बोतलें शामिल थीं. कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है.

एक नजर

पंचायतों में 10 अक्टूबर तक चलेगा नया राशन कार्ड बनाने और नाम जोड़ने का अभियान

डेहरी आनसोन। सरकार के निदेर्शानुसार अनुमंडल अंतर्गत सभी प्रखंडों के पंचायतों में नया राशन कार्ड बनाने और पुराने राशन कार्ड में छुटे हुए पारिवारिक सदस्यों का नाम जोड़ने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 22 सितंबर से शुरू हुआ है और 10 अक्टूबर तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा। मंगलवार को अभियान के दूसरे दिन जमुहार पंचायत भवन परिसर में आपूर्ति विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दर्जनों उपभोक्ताओं ने अपने आवेदन के साथ हिस्सा लिया। एमओ खुशबू कुमारी की देखरेख में शिविर संचालित हुआ। मौके पर डाटा आपरेटर धनजी पाठक ने उपभोक्ताओं के आवेदन को आनलाइन प्रक्रिया के तहत दर्ज किया। एसडीएम नीलेश कुमार के अनुसार राज्य सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र लाभार्थी राशन कार्ड से वंचित न रहे। इसके लिए अनुमंडल क्षेत्र के सभी 55 पंचायतों में रोस्टर के अनुसार शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं को राशन कार्ड बनवाना है या नाम जोड़वाना है, उन्हें पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक तथा पारिवारिक मोबाइल नंबर साथ लेकर शिविर में आना होगा। एसडीएम ने सभी वंचित उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे तय तिथि को अपने पंचायत भवन परिसर में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर लाभप्राप्त करें। यह अभियान राज्य सरकार की उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत हर योग्य परिवार को खाद्य सुरक्षा के तहत जोड़ा जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

शिवहर में दो बाइक की टक्कर में पैक्स अध्यक्ष की दर्दनाक मौत, एक की हालत नाजुक

शिवहर। शिवहर जिले के फतहपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर पीएचसी के पास भीषण सड़क हादसे में श्यामपुर के पैक्स अध्यक्ष की दर्दनाक मौत हो गयी है. जिससे पूरे इलाके हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि डुमरी कटसरी प्रखंड के श्यामपुर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अशोक सिंह शिवहर से अपने घर श्यामपुर लौट रहे थे. तभी मथुरापुर गांव निवासी मदन दास अपनी बाइक से शिवहर की ओर जा रहे थे. फतहपुर पीएचसी के पास दोनों की बाइक में सीधी टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों को तुरंत सदर अस्पताल शिवहर लाया गया। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने पैक्स अध्यक्ष अशोक सिंह को मृत घोषित कर दिया. दूसरी ओर गंभीर रूप से घायल मदन दास को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया. अचानक हुई इस दुर्घटना से श्यामपुर पंचायत समेत पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अशोक सिंह सामाजिक कार्यों में हमेशा सक्रिय रहते थे और किसानों की समस्याओं को उठाने में अग्रणी भूमिका निभाते थे। उनकी असामयिक मौत से पंचायत के लोग सदमे में हैं. इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दुखद घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।वही पैक्स अध्यक्ष संघ के जिलाध्यक्ष रवि कुमार सिंह ने उनके मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

सोना कारोबारी की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस; दुकान बंद कर लौट रहा था व्यापारी

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के एपीएम थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव के पास अपराधियों ने एक स्वर्ण व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान लहेरियासराय थाना क्षेत्र के दारुभट्ठी चौक निवासी राहुल कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। वह एपीएम थाना क्षेत्र के ब्राह्मत्रा चौक स्थित अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। घटना की सूचना मिलते ही एपीएम थाना सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुँचकर जाँच में जुट गई है। फिलहाल इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बताया जाता है कि बुधवार की देर शाम राहुल अपनी सोने-चाँदी की दुकान बंद करके बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान थलवाराझलहेरियासराय मार्ग पर एक निजी स्कूल के पास बाइक सवार अपराधियों ने उन पर गोली चला दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल पर पहुँचे और घायल व्यवसायी को इलाज के लिए डीएमसीएच ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

समस्तीपुर में बदमाशों ने घर में घुसकर की अंधाधुंध फायरिंग, मासूम बच्चे की मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिला में एक बार फिर से अपराधियों का मनोबल बढ़ता नजर आने लगा है, जहां मंगलवार की देर रात घर में घुसकर बाइक सवार बदमाशों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. फायरिंग करने के बाद अपराधी आराम से रात के अंधेरे में फरार हो गए. गोली लगने से घर के अंदर मौजूद डेढ़ साल के एक मासूम बच्चे की मौत हो गई. मामला ताजपुर थाना क्षेत्र के कस्बे आहर वार्ड संख्या 23 की है. मृतक मासूम बालक अब्दुल समद का नाती बताया जा रहा है. वह काफी दिनों से मां के साथ अपने ननिहाल में ही रह रहा था. घटना की सूचना पर ताजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है. गोलीबारी के बाद परिजन मासूम बच्चे को घायल अवस्था में आनन-फानन में समस्तीपुर सदर हॉस्पिटल ले गए, जहां जांच पड़ताल के बाद डियूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है. इस दौरान बदमाशो ने करीब पांच राउंड फायरिंग की है।

मधुबनी पेंटिंग, टिकुली आर्ट, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प और सिरेमिक कलाकृतियों जैसी पारंपरिक कलाओं को मिला एक नया मंच

पटना एयरपोर्ट पर बिहार एम्पोरियम की शुरूआत, अब सफर के साथ संस्कृति का संग

एजेंसी/पटना

बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर अब केवल गांवों और प्रदर्शनियों तक सीमित नहीं रहेगी। अब राजधानी के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही यात्रियों का स्वागत राज्य की परंपरा, कला और इतिहास से होगा। एयरपोर्ट परिसर में बिहार एम्पोरियम की शुरूआत के साथ ही मधुबनी पेंटिंग, टिकुली आर्ट, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प और सिरेमिक कलाकृतियों जैसी पारंपरिक कलाओं को एक नया मंच मिला है। यह एम्पोरियम केवल एक बिक्री केंद्र नहीं, बल्कि बिहार की सैकड़ों साल पुरानी विरासत और उसके कारीगरों की मेहनत का जीवंत दस्तावेज है। यहां



आने वाले देश-विदेश के यात्री न सिर्फ.इन कलाओं को करीब से देख सकेंगे, बल्कि उन्हें खरीदकर घर भी ले जा सकेंगे। इससे न केवल कला को नई पहचान मिलेगी, बल्कि उन शिल्पकारों के जीवन में भी बदलाव आएगा, जो पीढ़ियों से इस धरोहर को संजोए हुए हैं। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने बिहार एम्पोरियम को राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प कला को वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। एम्पोरियम में मधुबनी और टिकुली पेंटिंग के अलावा सिक्की घास से बनी कलाकृतियाँ, पत्थर और लकड़ी पर की गई बारीक नक्काशी, मंजूषा और सिरेमिक जैसे शिल्प भी प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। इससे पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक बाजारों से जोड़ने का रास्ता खुलेगा। यह पहल सिर्फ. सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। इस एम्पोरियम से कारीगरों को वैश्विक बाजार से जुड़ने और अपने उत्पादों को बड़े स्तर पर बेचने का अवसर मिलेगा।

संस्कृति के साथ विकास की उड़ान

पटना एयरपोर्ट पर खुला यह एम्पोरियम बिहार की नई पहचान बनने जा रहा है, जहाँ यात्रियों को राज्य की समृद्ध कला और परंपरा का अनुभव होगा और स्थानीय शिल्पकारों को अपने हुनर को विश्व तक पहुंचाने का मौका। यह केवल एक एम्पोरियम नहीं, बल्कि उस नई सोच की शुरूआत है जिसमें संस्कृति और विकास एक साथ कदमताल करते हैं।

मधेपुरा के बाबा मंदिर में नवरात्रि पर भव्य आरती का आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ रही भारी भीड़

एजेंसी/मधेपुरा

श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन और तापस पंडा समाज के संयुक्त तत्वाधान में मधेपुरा के बाबा मंदिर में नवरात्रि के शुभ अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया। आरती का आयोजन लगातार दशहरा तक किया जाएगा। नवरात्रा के बाद आरती भी जारी रहेगा। श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन परिवार के सूत्रों के अनुसार प्रत्येक दिन रविवार को छोड़कर आरती का आयोजन मंदिर के आंतरिक परिसर में किया जाएगा। जबकि रविवार को शिवगंगा के तट पर आयोजन किया जाएगा। दूसरी और माता के मंदिर के सामने युवा संघ और तापस पंडा के संयुक्त तत्वाधान में भव्य माता के आरती का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के अंदर और बाहर आरती के कारण पूरा मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। दोनों जगह आरती का आयोजन देखकर भक्त इसका पूरा लाभ उठा रहे हैं । आरती की भव्यता को देखकर लोग काशी और जगन्नाथपुरी को याद कर रहे हैं । मंगलवार को नवरात्र के दूसरे दिन महाआरती का संकल्प पूजा श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन के व्यवस्थापक अनुज कुमार सिंह ने किया। आरती तापस पंडा समाज के निलाम्बर ठाकुर, दीपक ठाकुर, शंभू ठाकुर, अभय ठाकुर, मुरारी ठाकुर, अरविन्द ठाकुर, अविनाश ठाकुर, आदर्श ठाकुर, गोविंद ठाकुर, सत्यम ठाकुर के द्वारा किया गया। मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक भास्कर कुमार निखिल, मनीष मोदी, बिट्टू चौरसिया, मुकेश यादव, प्रिंस यादव, विष्णु गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

नई मजदूरी दरें 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होंगी

बिहार में मजदूरों पर नीतीश सरकार मेहरबान, न्यूनतम मजदूरी बढ़ी

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने राज्य में न्यूनतम मजदूरी की दर बढ़ा दी है। श्रम संसाधन विभाग की अधिसूचना के अनुसार, नई मजदूरी दरें 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होंगी। अधिसूचना के मुताबिक, अब अतिकुशल कामगारों को प्रतिदिन 660 रुपये, कुशल कामगारों को 541 रुपये, अर्धकुशल कामगारों को 444 रुपये और अकुशल मजदूरों को 428 रुपये न्यूनतम मजदूरी के रूप में दी जाएगी। यह फैसला राज्य में मजदूरों की आर्थिक सुरक्षा और जीवन यापन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों में बढ़ोतरी को देखते हुए मजदूरी दरों में यह संशोधन किया गया है। इससे न केवल मजदूरों की आमदनी में वृद्धि होगी, बल्कि उनके जीवन स्तर में सुधार भी आएगा। श्रम विभाग ने मजदूरों और नियोक्ताओं को इस नई



अधिसूचना के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का भी निर्णय लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नई दरों से छोटे और मध्यम उद्योगों पर असर पड़ सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने इसे मजदूर हित में आवश्यक कदम बताया है। इसके अलावा, श्रम विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नई दरें सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में लागू होंगी। मजदूरों ने इस कदम का स्वागत किया है और इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सुधार माना जा रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मजदूर यूनियनों और संगठनों ने इसे मजदूर अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि समय-समय पर मजदूरी दरों की समीक्षा की जाएगी ताकि मजदूरों को उनकी मेहनत के अनुसार उचित वेतन मिल सके। इसके तहत भविष्य में भी मजदूरी दरों में सुधार की संभावना बनी रहेगी। सरकार ने नियोक्ताओं से अपील की है कि वे नई मजदूरी दरों का पालन करें और किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम राज्य में सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए भी अहम माना जा रहा है। बिहार में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का यह फैसला उन लाखों मजदूरों के लिए राहत भरा साबित होगा, जो रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करते हैं। इससे मजदूर वर्ग की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार आएगा। कुल मिलाकर, बिहार सरकार की यह नई नीति मजदूर हितैषी कदम के रूप में देखी जा रही है, जो आर्थिक असमानता को कम करने और श्रम बाजार को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

समय-समय पर मजदूरी दरों की समीक्षा की जाएगी

राज्य सरकार ने यह भी कहा कि समय-समय पर मजदूरी दरों की समीक्षा की जाएगी ताकि मजदूरों को उनकी मेहनत के अनुसार उचित वेतन मिल सके। इसके तहत भविष्य में भी मजदूरी दरों में सुधार की संभावना बनी रहेगी। सरकार ने नियोक्ताओं से अपील की है कि वे नई मजदूरी दरों का पालन करें और किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम राज्य में सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए भी अहम माना जा रहा है। बिहार में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का यह फैसला उन लाखों मजदूरों के लिए राहत भरा साबित होगा, जो रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करते हैं। इससे मजदूर वर्ग की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार आएगा। कुल मिलाकर, बिहार सरकार की यह नई नीति मजदूर हितैषी कदम के रूप में देखी जा रही है, जो आर्थिक असमानता को कम करने और श्रम बाजार को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सुपौल में नाव हादसा, 13 लोग नदी में डूबे एक महिला की मौत, 4 लापता, 8 बचाए गए

एजेंसी/सुपौल

बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के गुड़िया पंचायत अंतर्गत बेलापट्टी वार्ड-1 स्थित बेंगा धार में मंगलवार शाम बड़ा नाव हादसा हो गया. घास-पटुआ लेकर लौट रही नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई, जिसमें सवार 13 लोग नदी में डूब गए. स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव अभियान चलाते हुए नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार लोग अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है. मृतका की पहचान छातापुर थाना क्षेत्र के चकला वार्ड-2 निवासी मोटर मुखिया की पत्नी संजन



देवी के रूप में हुई है. उन्हें नदी से निकालकर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नाव पर दो नाविक समेत कुल 13 लोग सवार थे, जिनमें से 11 महिलाएं थीं. सभी घास-पटुआ लेने नदी पार गए थे और लौटते वक्त यह हादसा हुआ. नाव पर सवार महिलाओं में गौरी देवी, सरिता देवी, अवधि देवी, ममता देवी, रीमा कुमारी, अंजली कुमारी, काजल कुमारी, अनिता देवी, पथरी देवी, संजन देवी और मंजू देवी शामिल थीं।

बिहार में 104 किमि रेल लाइन का होगा दोहरीकरण,मोदी कैबिनेट से मिली मंजूरी

एजेंसी/सुपौल

मोदी कैबिनेट की बैठक में बिहार को चुनाव से पहले एक और बड़ी सौगात दी गई है। इस सौगात से उत्तर बिहार के लोगों को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इसके साथ ही लोगों को अब कम समय से बेहतर सुविधा भी मिल सकेगी। इसके बाद अब लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी हैं। तो आइए जानते हैं कि मोदी कैबिनेट में किन योजनाओं को मंजूरी दी गई है। जानकारी के अनुसार,आज मोदी कैबिनेट में बख्तियारपुर, राजगीर, तिलैया रेल लाइन (104 किमी) को दोगुना करने की मंजूरी दी है। 2,192 करोड़ की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट नालंदा, राजगीर, पावापुरी जैसे तीर्थ स्थलों को मजबूत कनेक्टिविटी देगा और 1,434 गाँवों व 13.46 लाख की आबादी को लाभ पहुंचाएगा। इस बैठक में सबसे बड़ा फैसला बख्तियारपुर, राजगीर, तिलैया रेल लाइन को दोगुना करने का रहा। लगभग 104 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन को 2,192 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। यह परियोजना पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा साबित होगी।

बिहार विश्वविद्यालय में छात्र से बदसलूकी का मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग, परीक्षा नियंत्रक पर गंभीर आरोप

एजेंसी/पटना

मुजफ्फरपुर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय द्वारा पीजी फोर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में विलम्ब का कारण पूछने पर परीक्षा नियंत्रक द्वारा छात्र मुकेश शर्मा का कॉलर पकड़ने और उसके साथ बदसलुकी का मामला अब तूल पकड़ लिया है। अब यह मामला राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोग के समक्ष पहुँच चुका है। बताते चले कि मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा ने पूरे मामले को लेकर राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दायर की है। पूरा मामला यह है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय द्वारा पीजी फोर्थ सेमेस्टर (सत्र 2023-25) की परीक्षा में विलम्ब के कारण सैकड़ों छात्र



एसटीईटी परीक्षा देने से वंचित रह गये, जिससे उनका भविष्य संकट में पड़ गया है। यह परीक्षा जुलाई माह में ही हो जानी चाहिए थी, लेकिन परीक्षा नियंत्रक व विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण सितम्बर माह की समाप्ति तक भी परीक्षा नहीं हो सकी। वहीं सवाल करने पर खेद जताने के बजाये छात्रों के साथ बदसलुकी की जा रही है। परीक्षा में विलम्ब का कारण पूछने जब छात्रगण परीक्षा विभाग पहुँचे तो सवाल पूछने पर परीक्षा नियंत्रक भड़क गये और बेतिया से आए छात्र मुकेश शर्मा का कॉलर पकड़ लिया और उसके साथ बदसलुकी भी की गई। इस सम्बन्ध में एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें परीक्षा नियंत्रक, छात्र मुकेश शर्मा का कॉलर पकड़ते हुए दिखाई पड़ रहे हैं।

पटना में बिहार कला पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए 52 कलाकार, 6 कलाकारों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पटना। बिहार कला पुरस्कार 2025 से प्रदेश के 52 कलाकारों को सम्मानित किया गया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार ने यह सम्मान दिया है। 6 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए बुधवार को पटना में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और विभागीय मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए चयनित 52 उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित किया। कलाकारों को कुल 27,72,000/- की सम्मान राशि के साथ प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पारंपरिक अंगवस्त्र भेंट किए गए। इस मौके पर कलाकारों की उपलब्धियों को दशार्ती एक स्मारिका का भी विमोचन हुआ।

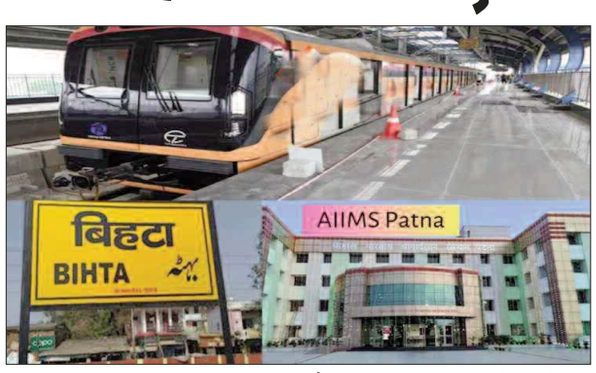


अब मेट्रो की रफ्तार से दौड़ेगा पटना

फेज-2 में बिहटा और एम्स भी जुड़ेंगे

एजेंसी/पटना

बिहार की राजधानी पटना आने वाले दिनों में एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। लंबे इंतजार के बाद इस महीने के अंत तक पटना मेट्रो रेल परियोजना का पहला चरण शुरू होने जा रहा है। नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने जानकारी दी कि पहले चरण में 6.20 किलोमीटर लंबे प्राथमिक कॉरिडोर पर आईएसबीटी से मलाही पकड़ी तक मेट्रो ट्रेनों का परिचालन शुरू होगा। इसमें जीरो माइल, भूतनाथ और खेमनीचक जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल होंगे। सरकार की योजना सिर्फ.यहीं तक सीमित नहीं है। फेज-2 में मेट्रो का विस्तार करते हुए बिहटा एयरपोर्ट, एम्स और पटना



के कई अहम इलाकों को भी जोड़ा जाएगा, जिससे राजधानी की आवाजाही और सुविधाजनक हो जाएगी और सड़क जाम से भी मुक्ति मिलेगी। बिहार ने बीते दो दशकों में विकास की एक लंबी यात्रा तय की है। 2005 से पहले की स्थिति में राजधानी पटना और राज्य के कई शहरों की तस्वीर बेहद अलग थी – सड़कों पर गड्ढे, हर जगह बजबजाती नालियां, कचरे के ढेर और बुनियादी ढांचे का अभाव था। उस दौर में शहरों में न तो सार्वजनिक परिवहन की कोई ठोस व्यवस्था थी और न ही शहरी विकास की कोई ठोस दृष्टि थी। लेकिन 2005 के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और परिवहन के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल कीं। अब वही बिहार, जो कभी गंदगी और बदहाली के लिए जाना जाता था, आज मेट्रो रेल, स्मार्ट रोड, कचरा प्रबंधन और स्वच्छता अभियानों के जरिए देशभर में अपनी नई पहचान बना रहा है। स्वच्छता ही सेवा-2025 कार्यक्रम के दौरान मंत्री जिवेश कुमार ने बताया कि बिहार में 17 सितंबर से शुरू हुआ स्वच्छोत्सव इस बार 29 अक्टूबर तक चलेगा।

सुभाषितम्

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है।

- मैथिलीशरण गुप्त

भारतीय प्रोफेशनल के लिए चीन ने खोले द्वार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बिछाए हुए जाल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। नामालूम भारत और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ, वह कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं। जिसमें वह खुद और अमेरिका को फंसाते जा रहे हैं। अमेरिका के एच-1बी वीजा को लेकर उन्होंने भारत और अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के ऊपर जो दबाव बनाने का प्रयास किया था। वह दबाव तो बन नहीं पाया, उल्टे चीन को उन्होंने एक ऐसा मौका दे दिया है। वह भी ऐसे समय पर, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कार्य प्रणाली के कारण अमेरिका और दुनिया के कई देशों में सबसे ज्यादा अलोकप्रिय हो चुके हैं। चीन आईटी सेक्टर में हार्डवेयर, संचार माध्यम तथा एआई में अमेरिका को तगड़ी चुनौती दे रहा था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चीन ने दबदबा बनाना शुरू कर दिया है। कई मायने में चीन, अमेरिका से कई गुना आगे दौड़ रहा है। पिछले एक दशक में चीन ने रिसर्च के मामले में दुनिया के सभी देशों को पीछे छोड़ दिया है। चीन के साथ अब भाषा से संबंधित दिक्कत भी नहीं रही। ऐसी स्थिति में चीन ने के वीजा के रूप में जो गुगली फेंकी है उसमें उसने कहा है, जो भी प्रोफेशनल, आईटी सेक्टर से जुड़े हुए विशेषज्ञ, मेडिकल प्रोफेशनल के जुड़े हुए विशेषज्ञ यदि चीन आते हैं तो उन्हें के वीजा उनकी शर्तों और सम्मान के साथ दिया जाएगा। चीन इसके लिए फ्री एंट्री देगा। कोई शुल्क नहीं लेगा। चीन का यह ऑफर अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में साबित कर दिया है, उसे व्यापार करना आता है। वह राजनीति और कूटनीति भी अपने व्यापार के लिए करता है। पिछले दो दशक में चीन ने सारी दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। चीन में विशेषज्ञों की कमी है। अमेरिका ने एच-1बी वीजा देना एक तरह से बंद कर दिया था। पुराने एच-1बी वीजा धारकों के ऊपर वेतन से ज्यादा शुल्क का प्रावधान कर भारतीय पेशेवरों को डरा दिया है। भारतीयों को अमेरिका ने बेड़ियों और हथकड़ी में भारत वापिस भेजा था। टेरिफ शुल्क 50 फीसदी कर दिया। अब वीजा शुल्क 1 हजार डॉलर से बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर दिया। इससे भारतीय प्रवासी अमेरिका में स्वयं के और परिवार के भविष्य को लेकर भयाक्रांत हैं। अमेरिका ने पिछले कई महीनो में लगभग सभी देशों के साथ टैरिफ को लेकर जो दूरियां बनाई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अमेरिका की अस्मिता को ही दांव पर लगा रहे हैं। ऐसी स्थिति में चीन ने के वीजा का जो ऑफर दिया है। उससे दुनिया के सभी देशों के विशेष रूप से भारतीय मूल के आईटी, फार्मा सेक्टर के लोग चीन में अपना भविष्य देखने लगे हैं। चीन जिस तरह से तकनीकी और रिसर्च के मामले में आगे बढ़ रहा है। चीन जिस तरह से विशेषज्ञों को रिसर्च के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उसको देखते हुए आईटी, संचार माध्यम और फार्मा के क्षेत्र मे प्रोफेशनल चीन का रूख करें, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में भी चीन बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। चीन चाहता है भारत के लोग चीन में आकर पढ़ाई करें। यहां पर कंपनियां लगाएं। चीन की कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। अमेरिका ने 1990 में एच-1 वीजा के माध्यम से कंपनियों को अधिकार दिए थे। वह विशेषज्ञों को अमेरिका में नौकरी दें। अमेरिका आईटी सेक्टर के भारतीय विशेषज्ञों के कारण बड़ी तेजी के साथ आर्थिक रुप से बढ़ा। इस तथ्य को अमेरिका भूल गया है। चीन ने इसे पहचान लिया है। एच-1बी वीजा पर शुल्क बढ़ाकर अमेरिका ने चीन को एक अवसर दिया है। जिसे अमेरिका की सबसे बड़ी भूल माना जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी विश्वसनीयता खोते जा रहे हैं। अमेरिका के राज्यों, वहां के विश्वविद्यालयों में डोनाल्ड ट्रंप को एक मसखरे के रूप में देखा जा रहा है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव



मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं, पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है ।इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि, शरद ऋतु की शुरुआत

-रमेश सर्राफ धमोरा



नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें, और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने - कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दशार्ता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं। नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय और जनसंघ से भाजपा तक की विचार यात्रा

- डॉ. राघवेन्द्र शर्मा



बहुत कम संगठन ऐसे होते हैं, जो नीति सिद्धांतों की बुनियाद पर खड़े होते हैं। ऐसे संगठन तो कल्पनातीत ही हैं, जो राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत बने रहते हैं। लेकिन यह भारतीय जनसंघ के रूप में संभव हो पाया तो इसलिए,क्योंकि इस संगठन की नींव रखने वाले हाथ पवित्र और मन जनता जनार्दन की सेवा के लिए संकल्पित बने रहे। भारतीय जन संघ की जिस समय स्थापना हुई, तब उसे लेकर सत्ता पक्ष पर काबिज राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की सोच विरोधी विचारधारा वाले दलों के प्रति सकारात्मक तो कतई नहीं थी। जनसंघ के संस्थापक भी यह जानते थे कि फिलहाल सत्ता प्राप्त होना तो दूर, हम जनता जनार्दन का विश्वास भी शायद ही हासिल कर पाएंगे। लेकिन मन में संकल्प था कि हमें देश की सेवा करनी है । उसकी एकता और संप्रभुता के लिए संकल्पित होना है। देर से ही सही, लेकिन इस सपने को पूरा करके भी दिखाना है। ऐसा हुआ भी, जब जन संघ की स्थापना हुई तो उसे मतदान केंद्रों पर तैनात करने के लिए एजेंट तक बड़ी मुश्किल से उपलब्ध हो पाते थे। चुनाव लड़ने के लिए भी गणमान्य लोगों की मान मनौव्बल करना पड़ती थी। लेकिन फिर भी जनसंघ और उसके नेताओं की मनो स्थिति अडिग बनी रही, तो केवल इसलिए क्योंकि उसके संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे त्यागी और तपस्वी नेता थे। जिन्हं हार जीत से ज्यादा वैचारिक आंदोलन की परवाह थी। यह भी सत्य है कि जब पूर्व से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक कांग्रेस तथा उसके मित्र दलों की तूती बोलती थी। तब जन संघ के नेताओं को जमानत बचाने के लिए भी चुनाव में जमीन आसमान एक कर देना पड़ता था। लेकिन फिर भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और उनके जैसे अनेक संघर्षशील नेताओं की लड़ाई इसलिए जारी रही, क्योंकि पंडित दीनदयाल कहा करते थे। हमारी जीत और हार भारतीय मतदाता द्वारा तय की जाएगी। लेकिन यह हम तय करेंगे कि हमें भारतीय राजनीति में गहरे तक बैठ चुकी तुष्टिकरण की राजनीति का विरोध करना है। हमें जाति संप्रदाय के नाम पर गहरे तक खोद दी गई खाई को हर हाल में पाटने का काम करना है। यदि समय रहते ऐसा ना हुआ तो सत्ता के भूखे राजनीतिक दलों ने जातियों और संप्रदायों के बीच जो गहरी खाई खोद रखी है, वह देश के लिए अनिष्टकारी सिद्ध होने वाली है। यही कारण है कि दीनदयाल उपाध्याय पूर्णकालिक जनसंघ के होकर विभिन्न राज्यों के प्रवास करते रहे और आम आदमी को जनसंघ से जोड़ते चले गए। उनकी यह सक्रियता सत्ता लोलुप नेताओं को रास नहीं आई। क्योंकि वे समझ चुके थे कि दीनदयाल उपाध्याय की सतत सक्रियता जन संघ को नित्य नई ताकत प्रदान कर रही है। यदि ऐसा ही रहा तो यह दल एक दिन जन आकांक्षाओं के अनुरूप राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा जन आंदोलन खड़ा कर देगा। यही कारण रहा की बेहद रहस्यमई तरीके से पंडित दीनदयाल उपाध्याय मृत्यु का शिकार हुए और एक दिन उनका शव मुगल सराय रेलवे स्टेशन के पास पटरियों के किनारे लावारिस अवस्था में पाया गया। तब धर्मनिरपेक्षता की आड़ में तुष्टिकरण की नीति करने वाले नेताओं को संतुष्टि हुई कि अब जनसंघ की विकास यात्रा को रोका जा सकेगा। लेकिन तब तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय इस संगठन के हर सदस्य के मन मस्तिष्क में राष्ट्र प्रेम का बीज बो चुके थे। उनका गुरु मंत्र था कि हार जीत की चिंता किए बगैर राष्ट्र हित के मद्देनजर सत्ताधारी नेताओं के षडयंत्रों को सार्वजनिक करते रहो। एक न एक दिन जनता जनार्दन जागेगी और वह दिन लोकतांत्रिक इतिहास का नया सवेरा लेकर आएगा। यही हुआ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय भले ही सशरीर हमारे बीच ना रहे, लेकिन उनकी प्रेरणा लगातार जन संघ को जनता जनार्दन की सेवा के लिए प्रेरित करती रही। उन्हीं की प्रेरणा से आपातकाल को माध्यम बनाकर लोकतंत्र का गला घोटने वाली सरकार का अंत करने में जनसंघ ने बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई। यहां तक कि देश को एक लोकतांत्रिक सरकार देने के लिए खुद को होम कर दिया। लेकिन जब इस पवित्र लक्ष्य से संकल्पित दल के त्याग को तत्कालीन अवसरवादी राजनेता समझ न पाए तब भारतीय जनसंघ ने भारतीय जनता पार्टी के रूप में स्वयं को नए रूप में प्रकट किया और राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत नए भारत के निर्माण के लिए यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी। यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय और फिर उनके बाद उनके आदर्श पर चलने वाले नेताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुका है। जिन संकल्पनाओं को लेकर पहले भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी का प्रादुर्भाव हुआ, उनमें धारा 370, अयोध्या का राम मंदिर और समान नागरिक कानून के रास्ते पर भाजपा की ईमानदारी स्वत सिद्ध है। आज जब उनके जन्मदिन को 109 वर्ष पूर्ण होने को हैं, तब उनके सपनों का भारत विश्व का नेतृत्व करने हेतु स्वयं को सान्निध पाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा के राजनीतिक संविधान में ही नहीं बल्कि उसके कार्यकताओं की रग-रग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्राणवायु और रक्त बनकर हृदय की मानवीय संवेदनाओं को जीवित बनाए हुए हैं। ऐसे महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर केवल भाजपा के कार्यकताओं को ही नहीं, वरन समस्त देशवासियों और विश्व भर में रह रहे भारतीय मूल के सभी बंधुओं को हार्दिक बधाइयां।

चुनावी सफर के साथ-साथ बदल रहा है राहुल का एजेंडा

- कांतिलाल मांडोत

बिहार में तीन दशक से सत्ता से बाहर कांग्रेस घर वापसी के लिए बेताब है।कांग्रेस के खिसकते जनाधार को दुबारा जोड़ने के लिए राहुल गांधी ने संविधान और आरक्षण के बहाने सामाजिक न्याय को सेट करने के लिए दांव चला।चुनाव की तपिश जैसे जैसे बढ़ रही है।राहुल गांधी की सियासी चाल भी बदलती जा रही है। भाजपा निस्वार्थ सत्याग्रही है।कांग्रेस की महत्वकांशा भाजपा को पहले से मालूम है।कांग्रेस इतना घटिया आरोप लगा सकती है।यह चुनाव आयोग को भी मालूम नही था।एसआईआर की कांग्रेस की स्क्रिप्ट पर तेजस्वी भी शामिल हो गए।तेजस्वी ने एसआईआर के आंदोलन को संबल प्रदान करने के लिए वोटनीति और वोट चोरी के कथित आरोपो में कांग्रेस के साथ जुड़ गए।बिहार मे लोगो को भी प्रेरित किया।लेकिन इसकी असली वजह यह है कि बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है।कांग्रेस का बिहार की राजनीति से जुड़ाव नीरस हो होता जा रहा है।तीन दशक का समय कम नही होता है।तीस साल के व्यक्ति को यह खबर भी नही होगी कि कांग्रेस भी कोई दल है।क्योंकि तीन दशक से बिहार में कांग्रेस सता से बाहर है।कांग्रेस की इस तरह के बेतुके सवाल और जवाब देखकर बाहर बसे भारतवंशी जिन्हें देश की उन पार्टियों से पीड़ा पहुंचती है,जिन्होंने ऐसे विकल्प को उठाया है,जिसका कोई वजूद नही है।देश मे किसी एक पार्टी के व्यक्ति से लोग इतने नाराज नही हुए होंगे, जितना कांग्रेस से। बहरहाल,चुनाव आयोग ने कांग्रेस के सभी आरोपो का खंडन किया है।सत्ता की राजनीति ने आकंठ डूबे राजनेताओ से गिरते राजनीति के स्तर में सुधार की उम्मीद नही की जा सकती है।कांग्रेस बारी बारी से राज्यो और केंद्र में ग्यारह वर्षो से सत्ता से दूर रहने के कारण छटपटा रही है।जूठे आरोप से ही अगर सत्ता मिलती है तो क्या हर्ज है ?अपने कार्यकाल में कर्मठता ,ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की झलक देखने को मिलती है तो मतदाता कभी भी नेता और पार्टी को सत्ता के गलियारों तक पहुंचा सकते है।लोगो को साफ सुथरी राजनीति की जरूरत है।उसी दल या नेता ओ के लिए रात्रि जागरण का कार्य करते है,जो राजनीति में दूध की तरह सफेद है ऐसे चुनिंदा लोग राजनीति में है,जिनके लिए मतदाता भरोसा भी करता है और पार्टी के प्रचार प्रसार के लिए तैयार रहते है।लोक जागरण के कार्य के लिए जनता को भरोसा होना बहुत आवश्यक है।राहुल और तेजस्वी के पीछे कोई तीसरा हाथ है,यह कहना जल्दबाजी होगी,लेकिन मोदी मिशन के इस एजेंडे को धराशायी करने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे है। कर्नाटक में राहुल ने उन वोटरों को समक्ष खड़ा कर कहा गया कि इन लोगो के नाम मतदाता सूची में काट दिया गया है।राहुल के बेबुनियाद आरोपो से निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के सभी आरोपो को दिशाहीन और जूठे बताए। बिहार में पैर जमाने और सत्ता का स्वाद चखने के लिए राहुल ने एसआईआर को ही केंद्र बिंदु नही बनाया है,उसके पूर्व बिहार में पलायन,पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सियासी बिसात बिछाने में जुटी थी। कांग्रेस जाति धर्म,बाहुबल और तुष्टिकरण की नीति पर चुनाव जीतने की जुगत में है। इसलिए वह ऐसे लोगो को खड़ा कर रही है,जिसका कोई विरोध नहीं करता है।

आज का राशिफल

मेष आपको सतर्क रहना होगा और किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाकर रखें।

वृषभ आज कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा व्यस्त रहना पड़ सकता है।

मिथुन आज आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

कर्क आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिसके चलते दिन उत्तम रहने वाला है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा।

कन्या सावधान रहने की जरूरत है इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला आज व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे।

धनु कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे।

मकर मामलों में अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं जो आपको न चाहते हुए भी करने होंगे।

कुंभ आपका ज्यादा समय बुद्धि और विवेक के साथ नई-नई खोज करने में व्यतीत हो सकता है।

मीन आज सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, जिससे आपको मनोबल में भी वृद्धि होगी।

विशेष

अमेरिका में औसत वेतन 66 लाख वीजा शुल्क 88 लाख

अमेरिका में एच 1 वीजा की फीस मे अभी 6 लाख रुपए लगते थे। अब अमेरिकी सरकार ने इसे बढ़ाकर 88 लाख कर दिया है। अमेरिका में औसत वेतन 66 लाख मिलता है। लेकिन वीजा शुल्क हर साल 88 लाख लगेगा। इसका मतलब यह हुआ, अमेरिका में जाकर नौकरी करो और नौकरी करने के एवज में अपनी जेब से पैसा देकर एच 1 वीजा लो। इसका एक ही मतलब होता है। भारत से अब कोई अमेरिका नौकरी करने के लिए जाही नहीं पाएगा। ना 9 मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी।

वीजा फीस पर ताली और थाली?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंधभक्त हर मामले में ताली और थाली बजाने लगते हैं। जब टेरिफ 50 फीसदी ट्रंप ने लगाया था। मोदी समर्थकों ने इसे मास्टर स्ट्रोक कहना शुरू कर दिया था। अंध भक्तों ने कहना शुरू कर दिया था। टेरिफ बढ़ने से भारत में उद्योग लगेंगे।मेक इन इंडिया बढ़ेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने हाल ही मे वीजा फीस में भारी इजाफा करते हुए 6 लाख से 88 लाख कर दिया है। इस पर मोदी के अंध भक्तों ने कहना शुरू कर दिया है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। अमेरिका से लौटकर जो प्रवासी भारतीय भारत आएंगे। वह भारत को ही अमेरिका बना देंगे। धन्य हो अंधभक्त।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1524: वास्कोडिगामा पुर्तगाली भारत का वायसराय बनकर आया. 1604: तीन वर्ष की नाकेबंदी के बाद स्पेनी सैनिकों ने डचों से आस्टेंड छीन लिया. 1663: न्यूहासेल (हंगरी) ने तुर्की के आगे आत्मसमर्पण कर दिया. 1688: फ्रांसीसी हमले के बाद जर्मनी के राजकुमारों में एकता हो गयी. 1894: केप कालोनी और बाटाल को जोड़ने वाले पोडोलैंड पर ब्रिटेन ने कब्जा कर लिया. 1959: श्रीलंका के प्रधानमंत्री भंडारनायक की हत्या हुई. 1963: डेमिनिकन गणराज्य सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1966: डारान में तूफान से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए. 1970: जार्डन में शाह हुसैन और फलीस्तीनी गुटों में संघर्ष रोकने के लिए समझौता हुआ. 1973: अमरीकी अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब के तीन चालक प्रशांत महासागर में सुरक्षित उत्तरे.

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.29 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.44 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.00 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.52 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.24 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.33 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कर्क	00.47 बजे से
		सिंह	03.03 बजे से
		कन्या	05.15 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 268 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास आश्विन पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.09 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 21.54 बजे को समाप्त।
करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 20.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872478
जूलियन दिन 2460943.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

फिटनेस एंड डांस स्टूडियो की 26 सितंबर को हेलो डांडिया नाइट

रांची, एजेंसी। स्टेप ऑन फिटनेस एंड डांस स्टूडियो की ओर से 26 सितंबर को कांके स्थित वाटिका बैंक्वेट हॉल में हेलो डांडिया नाइट का आयोजन किया जा रहा है। स्टूडियो की निदेशक स्नेहा मोदी ने बताया कि डांडिया नाइट की संध्या 6.30 बजे आरंभ होगी। डांडिया करने वालों को अपने साथ डांडिया स्टिक व ड्रेस स्वयं लेकर आना है। डांडिया के अलावा आयोजन स्थल पर फूड स्टॉल लगाए जाएंगे। वहीं प्रतिभागियों के लिए लकी ड्रॉ के माध्यम से उपहार भी दिए जाएंगे।

बालाजी मंदिर का प्रारूप, 50 फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा आकर्षण



रांची, एजेंसी। रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रारूप बनाया गया है। साथ ही रामनारायण मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा का भव्य प्रारूप बनाया गया है। यह प्रतिमा 50 फीट ऊंची है। यहां पर रामनारायण मंदिर की तर्ज पर ही लेजर शो भी दिखाया जाएगा, जो 4 मिनट का होगा। यह हनुमान जी की प्रतिमा का बाल स्वरूप सफेद रंग की है, जो थर्मोकॉल, पेरिस और पुटी व कपड़े से बनाया गया है। पंडाल का निर्माण बंगाल के कारीगरों ने किया है। तीन महीना से पंडाल निर्माण किया जा रहा है। मां दुर्गा की 15 फीट ऊंची प्रतिमा भी आकर्षण है, जो दक्षिण भारतीय शैली की है और स्वर्ण रूप में है। मंदिर के बाहरी भाग में 200 छोटी देवी-देवताओं की लगाई गई है। यह बताते हुए समिति अध्यक्ष मुनचुन राय ने कहा कि पंडाल निर्माण में 50 लाख रुपए खर्च हुआ है। लाइटिंग भी काफी आकर्षक है।

नामकुम में जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, दो हिरासत में

नामकुम, एजेंसी। थाना क्षेत्र के हाहाप गांव में जमीन विवाद में मारपीट में एक बुजुर्ग मड़की मुंडा (65) की मौत हो गई। मारपीट करने वाले दो आरोपी अजीत मुंडा व मेघनाथ मुंडा को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक व आरोपी दोनों आपस में रिश्तेदार हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि जमीन बंटवारे को लेकर भाइयों में काफी दिनों से विवाद चल रहा था। सोमवार को मड़की अपने जमीन पर काम कर रहा था। इसी दरम्यान उसके भाई अजीत मुंडा, मेघनाथ मुंडा सहित अन्य लोग वहां पहुंचे। मड़की से जमीन को लेकर कहा-सुनी होने लगी। बात बढ़ गई और धक्का-मुक्की शुरू हो गया। इस दौरान मड़की को दूसरे पक्ष के लोगों ने बुरी तरह पिटाई कर दी। किसी तरह घायल मड़की अपने घर पहुंचकर मामले की जानकारी अपने परिवार को दी। परिवार के लोग इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि उनकी मौत घर पर हो गई। इधर, सूचना पर पुलिस हाहाप गांव पहुंचकर आरोपी अजित एवं मेघनाथ को थाना ले आई। मृतक के बेटे के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

धनबाद होकर महाराष्ट्र के इतवारी से जयनगर को चलेगी स्पेशल ट्रेन, यात्रियों को मिलेगी राहत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद होकर महाराष्ट्र के इतवारी स्टेशन से उत्तर बिहार के जयनगर तक स्पेशल ट्रेन चलेगी। इतवारी से 16 तथा जयनगर से 18 अक्टूबर से साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवा बहाल होगी। इतवारी से चलने वाली ट्रेन गोंदिया, डोंगरगढ़, रजनंदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटपारा, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, झारसुगड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, मूरी, बोकारो, चंद्रपुरा, धनबाद, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी होकर जयनगर तक जाएगी। इस ट्रेन में स्लीपर के 10, थर्ड एसी के दो, सेकंड एसी का एक एवं साधारण श्रेणी के पांच कोच जोड़े जाएंगे। दिवाली से छठ तक चलने वाली स्पेशल ट्रेन से महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ से वापसी के साथ-साथ उत्तर बिहार पहुंचने की आसान होगी। 08869 इतवारी-जयनगर स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16 अक्टूबर से छह नवंबर तक चलेगी। इतवारी से दिन में 11:00 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 6:40 पर बोकारो, 7:28 पर चंद्रपुरा एवं 9:50 पर धनबाद आगमन होगा। जसीडीह, दरभंगा व मधुबनी होकर रात 10:30 पर जयनगर पहुंचेगी। 08870 जयनगर-इतवारी स्पेशल ट्रेन 18 अक्टूबर से आठ नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। जयनगर से देर रात 12:30 पर खुल कर अगले दिन दोपहर 3:00 बजे धनबाद, शाम 4:30 पर चंद्रपुरा, शाम 5:10 पर बोकारो होकर अगले दिन दोपहर एक बजे इतवारी पहुंचेगी।

बुर्के के पीछे छुपा डकैती का मास्टरमाइंड

देवघर में पुलिस अब तक हैरान



देवघर, एजेंसी। मधुपुर में एचडीएफसी बैंक डकैती कांड के बाद पुलिस की चार स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें अपराधियों की तलाश में जुटी हैं। इस जांच में सबसे अहम कड़ी बुर्केवाला अपराधी है।

पुलिस का मानना है कि यह अपराधी पूरे घटनाक्रम को लीड कर रहा था और अन्य डकैतों को निर्देश दे रहा था।

इस शख्स ने अपनी पहचान छुपाने के लिए बुर्का पहना हुआ था, जिससे पुलिस को शक है कि इसका लोकल कनेक्शन हो सकता है। अगर इस बुर्के वाले अपराधी की पहचान उजागर हो जाती है, तो बैंक डकैती का पूरा राज खुल सकता है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पांच अन्य अपराधियों के चेहरे की पहचान कर ली है, लेकिन बुर्के वाले ने अपनी पहचान छुपाए रखी।

फरार होने के दौरान भी वह बाइक के पीछे बैठा था और उसने बुर्का नहीं हटाया। पुलिस को आशंका है कि डकैती में लोकल और बाहरी दोनों गिरोह शामिल हो सकते हैं।

अपराधियों की एक बाइक, जो टिंटहियाबांक के पास खराब हो गई थी, पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सुराग बन गई है। शुरुआत में बाइक पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली, लेकिन चेसिस और इंजन नंबर की जांच से पता चला कि इसका कनेक्शन बिहार से है। इसी आधार पर पुलिस की जांच बिहार तक पहुंच गई है।इसके अलावा पुलिस अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा का भी विश्लेषण कर रही है। डकैती के दौरान वे हिंदी और स्थानीय भाषा का मिश्रण इस्तेमाल कर रहे थे। कुछ की बोली मधुपुर, जामताड़ा या गिरिडीह के निवासियों जैसी थी, जबकि कुछ की हिंदी अलग थी। पुलिस इसको डिकोड कर अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

डकैतों ने मात खाई, मिला सीसीटीवी फुटेज: बैंक लूटने के बाद, अपराधी बैंक मैनेजर का लैपटॉप अपने साथ ले गए, उन्हें लगा कि इसी में सीसीटीवी फुटेज का डीवीआर है। अपराधी यहीं पर गलती कर गए। बैंक का फुटेज सीधे सर्वर कंट्रोल रूम से जुड़ा हुआ था, जो पुलिस को आसानी से मिल गया।

इस फुटेज में अपराधियों की सारी करतूत कैद हो गई है, जिससे पुलिस को जांच में बड़ी मदद मिल रही है। इसके साथ ही, पुलिस ने भागने वाले रास्तों पर लगे दुकानों और घरों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं।

हैरान कर देनेवाला सेफ एक्जिट रूट : अपराधियों ने भागने के लिए बहुत ही संकरी गलियों का इस्तेमाल किया, जिनमें से होकर सिर्फ बाइक ही जा सकती है। यह रास्ता रेलवे न्यू कॉलोनी, कमरमंजिल रोड, गांधी नगर होते हुए मेन रोड पर निकलता है। गांधी नगर इलाके की सड़क मुश्किल से 8-10 फीट चौड़ी है और इसमें कई स्पीड ब्रेकर भी हैं। यह रास्ता अपराधियों के लिए एक सेफ एग्जिट का काम किया। पुलिस को संदेह है कि इस रास्ते की जानकारी उन्हें किसी स्थानीय व्यक्ति ने दी थी, क्योंकि मधुपुर के बहुत से लोगों को भी इस रास्ते का पूरा ज्ञान नहीं है।यह दिखाता है कि इस घटना को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया गया था, जिसमें बैंक तक आने और जाने का प्लान भी शामिल था।

बैंक के बाहर लोगों को भनक तक नहीं : हैरानी की बात यह है कि जब बैंक के अंदर डकैती हो रही थी, बाहर चाय की दुकान पर बैठे लोगों को इसकी बिल्कुल भी भनक नहीं लगी।

यहां तक कि बैंक के नीचे और आसपास के दुकानदारों को भी कुछ पता नहीं चला। उन्हें तब पता चला जब अंदर से खिड़की से लोगों ने चिल्ला कर बताया। बैंक के गार्डों ने बताया कि अपराधियों ने उन्हें हथियार के बल पर काबू में कर लिया और उनकी जमकर पिटाई की। बैंक मैनेजर ने भी बताया कि अपराधियों ने लोगों के साथ मारपीट की और उन्हें घुटनों के बल बैठा दिया। अपराधियों ने सबसे पहले सभी के मोबाइल छीन लिए थे, जिन्हें बाद में बैंक के बाहर एक प्लास्टिक के थैले में छोड़ दिया गया था।

बैंक सायरन क्यों नहीं बजा : घटना के समय बैंक के दो गार्डों के पास कोई हथियार नहीं था, क्योंकि बैंक ऊपरी मंजिल पर है, जहां हथियार रखना आवश्यक नहीं माना जाता है। लेकिन एक बड़ी चूक यह थी कि डकैती के दौरान या बाद में बैंक का सायरन नहीं बजाया गया। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि अपराधियों ने उन्हें सायरन बजाने का मौका नहीं दिया।

पुलिस को खुली चुनौती : अगर अपराधियों के जाने के तुरंत बाद सायरन बज गया होता, तो शायद पुलिस कुछ पहले पहुंच जाती। ऐसी घटनाओं में कुछ पल ही निर्णायक होते हैं। अब यह भी जांच का विषय है कि बैंक का सायरन काम कर रहा था या नहीं।

इस घटना ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि पुलिस इस पहेलीनुमा बुर्के वाले डकैत का राजफाश कब तक करती है।

सीएम सोरेन ने नए अधिकारियों को दी सुरक्षा व ट्रैफिक प्रबंधन की सलाह, बेहतर कानून व्यवस्था पर जोर



रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची के पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक (शहर) पारस राणा और पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। कार्यभार संभालने के बाद यह तीनों अधिकारियों की मुख्यमंत्री से पहली औपचारिक मुलाकात थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तीनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं और राजधानी रांची की शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में सक्रिय पहल करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रांची झारखंड की राजधानी है, इसलिए यहां की सुरक्षा व्यवस्था पूरे राज्य के लिए उदाहरण बने। उन्होंने ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने, शहर में बढ़ती भीड़-भाड़ और जाम की समस्या को कम करने, साथ ही आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर विशेष जोर दिया।

बेहतर समन्वय बनाने पर भी चर्चा हुई : मुख्यमंत्री और अधिकारियों के बीच आपसी तालमेल, पुलिस-प्रशासन और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा जताई कि नए अधिकारियों के आने से रांची में कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।गौरतलब है कि हाल ही में राजधानी में पुलिस अधिकारियों का तबादला हुआ है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, एसपी (सिटी) पारस राणा और ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी प्राथमिकताओं में सुरक्षा व्यवस्था, सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और जनता के साथ संवाद को रखा है। मुख्यमंत्री के साथ हुई इस मुलाकात को राजधानी की सुरक्षा रणनीति और कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

जामताड़ा में पत्नी ने पति की चाकू मारकर की हत्या



जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम के कुर्मीपाड़ा इलाके में पत्नी ने पति की चाकू से वार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 35 वर्षीय महावीर यादव के रूप में हुई है। वह निजी ट्रक चालक था। जानकारी के मुताबिक, रविवार की देर शाम महावीर अपने बड़े भाई अवधेश यादव के साथ भाड़े के मकान में पहुंचा था। वहां तीनों ने मिलकर शराब पी। इसके बाद अवधेश सो गया, लेकिन पति-पत्नी के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि काजल ने गुस्से में चाकू उठाकर महावीर के सीने में घोंप दिया।

मौके पर हुई मौत, पुलिस ने चाकू किया बरामद : चाकू सीने में लगते ही महावीर की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात की जानकारी मिलते ही मिहिजाम थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल चाकू और खून से सने कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी पत्नी काजल देवी को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला हत्या का है। जांच हर पहलू से की जा रही है। वहीं पुलिस हिरासत में जाते हुए पत्नी बोली कि शान से जा रहे हैं।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप : मृतक के पिता रामसुबोध यादव ने बताया कि करीब 14 साल पहले थाने में जबरन उनकी शादी कराई गई थी।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि चार साल पहले काजल ने शराब के नशे में झाड़ू की सींक से उनकी बाईं आंख फोड़ दी थी। पिता के मुताबिक, पति-पत्नी अक्सर झगड़ा करते थे और शराब पीते थे। इसी आदत के कारण उनके बीच रिश्तों में तनाव बढ़ता गया। परिजनों का आरोप है कि काजल का स्वभाव पहले से ही झगड़ालू था। वह अक्सर मारपीट करती थी।

बेटी हुई अनाथ, ससुराल और मायका दोनों में तनाव : घटना के बाद दंपती की 7 वर्षीय बेटी बेसहारा हो गई है। काजल के पिता सूरज उर्फ पप्पू साव ने भी स्वीकार किया कि उन्होंने कई बार दोनों को शराब पीने से मना किया, लेकिन वे नहीं माने। अब इस हत्या की वारदात से दोनों परिवारों में तनाव की स्थिति है। फिलहाल पुलिस ने काजल को गिरफ्तार कर लिया है। पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे में मिला था आदिवासी का दर्जा, कुड़मी समाज का दावा, कुछ ट्राइबल नेता खड़ा करना चाहते हैं बवाल



रांची, एजेंसी। एसटी का दर्जा देने की मांग को लेकर कुड़मी और आदिवासी समाज के लोग आमने-सामने आते दिख रहे हैं. आदिवासी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले आदिवासी नेताओं ने राज्यपाल से मिलकर कुड़मी समाज की मांग को बेबुनियाद बताया तो कुड़मी समाज ने प्रेस कांफ्रेंस कर उनके सवालों का जवाब दिया है. फिर दावा किया है कि 1885 में हुए प्रथम एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे में छोटानागपुर के पठार में 13 जनजातियों को चिन्हित किया गया था. इसमें कुड़मी भी शामिल थे. लेकिन आदिवासी समाज के लोग सोशियोलॉजी का हवाला देकर मैटर को कंफ्यूज कर बवाल खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं.

कुड़मी समाज के नेता दीपक महतो के मुताबिक, कुछ आदिवासी नेता भ्रम फैला रहे हैं कि एसटी का दर्जा मिलने पर कुड़मी समाज के लोग आदिवासियों की जमीन हड़प लेंगे. उन्होंने कहा कि ऐसा कभी हो ही नहीं सकता. क्योंकि जमीन की खरीद बिक्री पर सीएनटी एक्ट लागू है. मुंडा ट्राइब की जमीन को सिर्फ मुंडा ही खरीद सकता है संथाल नहीं. फिर कुड़मी कैसे जमीन खरीद लेगा.

कुड़मी नेता दीपक महतो ने कहा कि उनकी मांग को सरकारी नौकरी के छीने जाने के डर से जोड़कर पेश किया जा रहा है. यह सरासर गलत है. कुड़मी को एसटी का दर्जा मिलने पर 5वीं अनुसूची वाले क्षेत्र में इजाफा होगा. क्योंकि कुड़मी की जमीन सीएनटी के दायरे में आती है. इससे किसी की नौकरी की हकमारी नहीं होगी.

प्रेस कांफ्रेंस कर रहे कुड़मी नेताओं ने इस बात पर आपत्ति जतायी कि उनकी मांग का विरोध कुछ आदिवासी नेताओं के स्तर पर क्यों हो रहा है. वे जज क्यों बनना चाह रहे हैं. संविधानिक प्रक्रिया से तय होगा कि हम आदिवासी होने का दर्जा पूरा करते हैं या नहीं. लेकिन इससे पहले ही सवाल क्यों उठाया जा रहा है. कहा गया कि दावा करने और सबूत देने में बहुत फर्क होता है. कुड़मी के क्षत्रिय होने के दावे पर कहा गया कि नीमडीह में भूमिज लोगों ने भी क्षत्रिय आंदोलन किया था. संथाल लोग भी 1928 में क्षत्रिय बने थे.

नेताओं ने कहा कि कुड़मी समाज ने बढ़ चढ़कर अलग झारखंड के आंदोलन की लड़ाई लड़ी थी. इसमें बिनोद बिहारी महतो और शैलेंद्र महतो की भूमिका से सभी वाकिफ है. दावा किया गया कि रांची के पूरब में 500 किमी तक कुड़मी समाज के लोग बसे हुए हैं. उन्होंने दावा कि झारखंड में कुड़मी समाज की आबादी एक करोड़ के आसपास है. सही तरीके जनजातीय जनगणना होने पर कुड़मी की आबादी 30 प्रतिशत से ज्यादा निकलेगी. पिछले 75 वर्षों से हक की लड़ाई लड़ी जा रही है.

कांग्रेस ने एससी विभाग के चेयरमैन को जारी किया शो कॉज नोटिस



रांची, एजेंसी। झारखंड में कांग्रेस पार्टी ने अपने अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन केदार पासवान को शो कॉज नोटिस जारी किया है. केदार पासवान ने अपनी ही पार्टी की मंत्री दीपिका पांडे सिंह को दलित विरोधी बताया था और उन पर कई अन्य आरोप लगाए थे. इसके बाद अब पार्टी ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है.

झारखंड कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष केदार पासवान ने कहा था कि हम दलित उत्थान की बात तो करते हैं, लेकिन जब हम ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेसिंह के पास दलितों पर होने वाले उत्पीड़न की शिकायत लेकर जाते हैं, तो वह बात नहीं सुनती हैं. उन्होंने कहा था कि दीपिका पांडे सिंह दलित विरोधी हैं और उनकी सोच सामंती है.

झारखंड कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष केदार पासवान को पार्टी ने कार्यालय प्रभारी अभिलाष साहू के हस्ताक्षर से एक कारण बताओ नोटिस जारी किया है. केदार पासवान को सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है, जिसमें मंत्री दीपिका पांडे सिंह के खिलाफ सार्वजनिक मंच पर की गई उनकी टिप्पणियों को अनुशासनहीनता बताया गया है.

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि यह दलित विरोध का मामला नहीं है, बल्कि मीडिया के सामने दिए गए अपने ही कोटे के मंत्री के खिलाफ बयानों को आपत्तिजनक माना गया है.

लिव-इन रिश्ते में 14 साल की नाबालिग सात माह की गर्भवती, अस्पताल में भर्ती, पति भी नाबालिग



रांची/खूंटी, एजेंसी। उग्रवाद से ग्रस्त और पिछड़े जिले खूंटी में मंगलवार को एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने समाज को गहरी सोच में डाल दिया। मुरहू प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को प्रसव पीड़ा के कारण भर्ती कराया गया। जांच में पता चला कि वह सात महीने की गर्भवती है। उसके साथ 16 वर्षीय नाबालिग लड़का भी मौजूद था, जिसके साथ वह आदिवासी समुदाय की ढुकू प्रथा (लिव-इन रिलेशनशिप) के तहत रह रही थी। इस जोड़े की सामाजिक रूप से शादी नहीं हुई है। बच्ची की स्थिति बिगड़ने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया।

अस्पताल में भर्ती कराने पर चौंकाने वाला खुलासा

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को मुरहू प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को प्रसव पीड़ा के कारण लाया गया। उसे उसकी मां और तीन अन्य महिलाएं अस्पताल लेकर आई थीं। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे भर्ती किया, जब पता चला कि वह सात महीने की गर्भवती है। इस दौरान लड़की का 16 वर्षीय साथी, जिसे उसका नाबालिग पति बताया जा रहा है, भी अस्पताल में मौजूद था। दोनों की सामाजिक रूप से शादी नहीं हुई है और वे आदिवासी समुदाय की ढुकू प्रथा के तहत एक साथ रह रहे थे। बच्ची की हालत ठीक न होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

लिव-इन रिलेशनशिप की शुरुआत

परिजनों ने बताया कि 14 वर्षीय लड़की मुरहू से 14 किलोमीटर दूर अपने गांव से पढ़ाई के लिए किराए के मकान में रहती थी और स्थानीय स्कूल में नौवीं कक्षा की छात्रा थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात पड़ोसी गांव के 16 वर्षीय लड़के से मुरहू बाजार में हुई। दोनों के बीच मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान हुआ और फोन व वाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे यह रिश्ता गहरा गया और लड़का लड़की के घर आने-जाने लगा। कई बार वह रात में भी वहां रुकने लगा। इस रिश्ते का परिणाम यह हुआ कि नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई।

परिवार ने अस्पताल में कराया भर्ती

लड़की की गर्भावस्था का पता चलने पर परिजनों ने उसे लड़के के घर भेज दिया, जहां वह उसके साथ ढुकू प्रथा के तहत रहने लगी। सात महीने की गर्भावस्था के दौरान मंगलवार को उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत मुरहू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। अस्पताल में उसकी स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना ने न केवल परिवार को, बल्कि पूरे समुदाय को स्तब्ध कर दिया। परिजनों और अस्पताल में मौजूद लोगों ने इस स्थिति पर गहरा अफसोस जताया।

समाज में उठे सवाल और चिंताएं

इस घटना ने समाज में कई सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों ने अफसोस जताते हुए कहा कि गरीबी और अशिक्षा के कारण आज समाज ऐसी स्थिति में पहुंच गया है, जहां 14 साल की बच्ची मां और 16 साल का किशोर पिता बनने की कगार पर है, जिसका भविष्य अनिश्चित है। लोगों ने सवाल उठाया कि इस नाबालिग जोड़े और उनके होने वाले बच्चे का भविष्य क्या होगा।



शू डिजाइनिंग में बनाएं अपना करियर

आजकल फुटवेयर फैशन काफी ट्रेंड में है। लोग तरह-तरह के शूज और सैंडल पहनते हैं। कहा जा रहा है कि अगले 5 साल तक फुटवेयर इंडस्ट्री में लगभग 1 मिलियन नौकरी होगी। अगर आप भी कुछ यूनीक करियर की खोज रहे हैं या फिर डिजाइनिंग में करियर बनाना है, तो आप शू डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं।

फैशन के दौर में आजकल ट्रेंडी फुटवियर की काफी डिमांड है। बताया जा रहा है कि लेदर और नॉन लेदर फुटवेयर इंडस्ट्री में अगले पांच साल में 1 मिलियन से भी ज्यादा नौकरियां होंगी।

फुटवियर इंडस्ट्री में करियर ऑप्शन्स क्या है?

- फुटवियर डिजाइनर
- फुटवियर डेवलपर
- रिटेल स्टोर्स मैनेजर
- प्रोडक्शन मैनेजर
- फुटवियर टेक्नीशियन
- फुटवियर मर्चेंडाइजर
- रिटेल मैनेजर
- प्रोडक्ट मैनेजर
- फैशन डिजाइनर
- फुटवेयर डेवलपमेंट मैनेजर

डिग्री व सर्टिफिकेट कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स

- सर्टिफिकेट इन फुटवेयर डिजाइन
- सस्टेनेबल फुटवेयर स्पेशलिस्ट
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन फुटवेयर मैन्यफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी

डिप्लोमा कोर्स

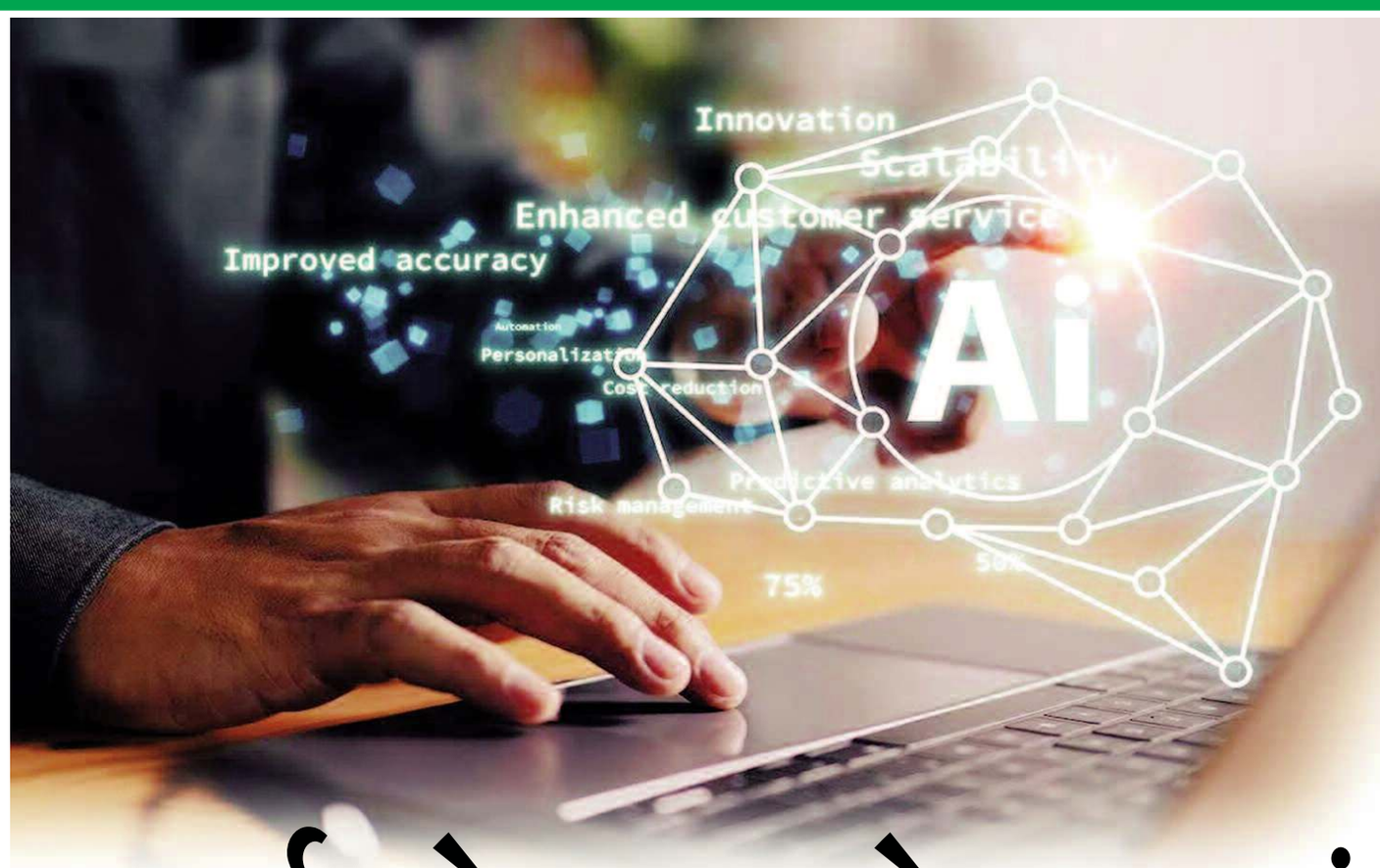
- डिप्लोमा इन फुटवेयर डिजाइन

डिग्री

- बैचलर ऑफ डिजाइन
- मास्टर्स ऑफ डिजाइन

तमिलनाडु देश का बड़ा लेदर एक्सपोर्टर इस समय भारत में हाई-क्वालिटी फुटवेयर बन रहे हैं बल्कि एक्सपोर्ट भी किए जा रहे हैं। लेदर, लेदर प्रोडक्ट्स और फुटवियर का 40% एक्सपोर्ट करने वाला तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है।





एआई को अपना दोस्त बनाएं नौकरी का डर होगा खत्म!



बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है किए आई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं।

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है कि एआई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं। ह्यूमन टच, क्रिएटिव और स्ट्रैटजिक वाले रोल्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप खुद को अपस्किल करें और थोड़ा सा कॉन्फिडेंस लाएं व एआई को अपना दोस्त बनाते हैं, तो यह तय है कि मार्केट में आपकी डिमांड कभी खत्म नहीं होगी।

कस्टमर सर्विस

पिछले साल एक स्डटी में कहा गया कि एआई से 60% कॉल सेंटर जॉब्स प्रभावित हो सकती हैं।

मार्केटिंग

हालांकि बेसिक डिजिटल मार्केटिंग रोल्स खतरे में हैं, लेकिन क्रिएटिव कैंपेन स्ट्रैटेजी ह्यूमन्स सरक्षित हैं।

हेल्थकेयर

डायग्नोस्टिक्स और रिकॉर्ड-कीपिंग को एआई टूल्स ऑटोमेट कर रहे हैं।

एजुकेशन

ट्यूटर्स और ऑटोमेटेड ग्रेडिंग सिस्टम्स बेसिक टीचिंग असिस्टेंट रोल्स एआई कम करने का काम कर रहा है।

लीगल

कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस और बेसिक रिसर्च को एआई ऑटोमेट कर रहा है। वहीं इसका असर पैरालीगल और जूनियर लॉयर्स पर भी है।

जर्नलिज्म

एआई का असर जूनियर जर्नलिस्ट्स और कॉपी एडिटर्स पर ज्यादा है। एआई कंटेंट मॉडरेशन, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और बेसिक फैक्ट-चेकिंग कर रहे हैं।

मैनेजमेंट

मिड-लेवल और ऑपरेशनल रोल्स को भी एआई प्रभावित कर रहा है। इंटरव्यू शेड्यूलिंग, रिज्यूमे स्क्रीनिंग और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग आदि काम एआई कर रहा है।

फाइनेंस

कई जगह अब एआई टूल्स बेसिक अकाउंटिंग और बजट एनालिसिस को हैंडल कर रहे हैं।

सॉफ्टवेयर

कोडिंग में 40% तक जूनियर रोल्स की मांग घटी हैं। क्योंकि एआई से डेटा क्लीनिंग और बेसिक एनालिटिक्स भी हो रहा है।

खुद को ऐसे करें अपस्किल

- एआई रिपीटिटिव काम करता है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस, क्रिएटिव सॉल्यूशन्स और ह्यूमन टच एआई की पहुंच से बहुत दूर है। ह्यूमन कनेक्शन अभी भी बहुत जरूरी है। इसलिए अपने फील्ड के लोगों से जुड़े रहें, इंडस्ट्री ट्रेंड्स पर नजर रखें और मेंटर्स ढूंढें।
- अगर आप जर्नलिस्ट हैं, तो आपको डेटा जर्नलिज्म, इमोशनल स्टोरीटेलिंग, एआई-बेस्ड रिसर्च टूल्स या मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग सीखना चाहिए।
- लीडरशिप, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट और ह्यूमन इंटरेक्शन्स आदि एआई के बस की बात नहीं है।
- अगर आप मैनेजर हैं, तो आपको डेटा-ड्रिवन डिसीजन मेकिंग और एआई टूल्स का इस्तेमाल करना सीखना चाहिए। इसलिए आप अपनी इमोशनल इंटेलिजेंस और कम्युनिकेशन को अधिक शार्प करें।
- सॉफ्टवेयर सेक्टर में सिस्टम आर्किटेक्ट्स, सीनियर डिवेलपर्स और मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट्स जैसे रोल्स अभी भी सुरक्षित हैं।
- क्रिएटिविटी, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम-सॉल्विंग और स्ट्रैटेजिक थिंकिंग जैसे काम एआई अभी भी नहीं कर सकता है।
- साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड या एआई डिवलपमेंट सीखकर आप मार्केट में बने रह सकते हैं।
- रोजाना के दोहराव वाले काम एआई से कराएं और बचे हुए समय में अपनी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को बढ़ाएं। एआई सारे काम कर सकता है, लेकिन वह लीडरशिप, क्रिएटिव सोच, टीमवर्क और इंसानों जैसी समझ नहीं ला सकता है। इसलिए खुद को इसमे अपस्किल रखें। समय के साथ ही छोटे-छोटे कोर्स करते रहें और एआई टूल्स को रोजमर्रा के कामों में इस्तेमाल करना चाहिए। रूटीन की जगह क्रिएटिव और स्पेशल प्रोजेक्ट पर फोकस रखें। आप जिस भी सेक्टर में हैं, उस सेक्टर के प्रमुख एआई टूल्स पर प्रैक्टिस करते रहें।



स्पेशलिस्ट और एआई बनाएगा परफेक्ट

बड़ी कंपनियों में सीनियर पोजिशन से भी लोगों को निकाला गया, इसका कारण सिर्फ एआई नहीं हो सकता है। जो लोग 8-10 घंटे में कोई काम करते हैं, वह एआई कुछ मिनटों में कर सकता है। लेकिन एआई स्पेशलिस्ट नहीं बन सकता है। यह एक ऐसी स्किल है, जो हमको एआई से आगे रख सकती है। खुद को किसी भी एक चीज में स्पेशलिस्ट बनाएं। इसके साथ ही एआई टूल्स से भी फ्रेंडली रहेंगे तो मार्केट में आपकी डिमांड बनी रहेगी। अपने सेक्टर में नेटवर्किंग अच्छी रखें, खुद की ब्रैंडिंग के लिए क्रिएटिव रहें और हमेशा कुछ न कुछ नया पढ़ते व सीखते रहें। इसके अलावा रेगुलेटर्स और पॉलिसी मेकर्स को यह जरूर सीखना होगा कि पुरानी चीजों को सिखाने की बजाय अब नई चीजों को सिखाने पर जोर देना चाहिए।

अपनी क्रिएटिविटी को बढ़ाएं

एआई टूल्स कैसे जवाब देते हैं और कैसे सोचते हैं। इससे वाकिफ रहना जरूरी है। अगर आप एआई को अपना दुश्मन नहीं बल्कि मेंटर मानें, तो आपका काम आसान रहे। इससे क्वालिटी चेक, प्रोजेक्ट प्लानिंग, बेसिक कंटेंट राइटिंग या डेटा एनालिसिस जैसे काम एआई से कराएं। इससे न सिर्फ आपके समय की बचत होगी, बल्कि उस दौरान खुद को अपस्किल करने में लगाएं। अगर आपके पास किसी इंस्टिट्यूट में जाने का समय नहीं है, तो आप एआई के एक्सपर्ट हो या स्पेशल प्रोजेक्ट के जानकार से चीजें ऑनलाइन सीखें। साथ ही उनसे बातचीत का दायरा बढ़ाएं और क्रिएटिविटी पर फोकस रखें। मार्केट में अपनी नेटवर्किंग बनाएं और अपनी स्पेशिलिटी की ब्रैंडिंग करें।





कॅरियर स्विच करने का बना रहे हैं प्लान तो ध्यान रखें ये बातें

कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं। ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

कई बार ऐसा होता है कि लोग कॅरियर में स्विच करते हैं। जिस फील्ड को लोग चुनते हैं, उसको छोड़कर अन्य किसी इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट हो जाते हैं। हालांकि ऐसा फैसला विभिन्न परिस्थितियों में लिया जाता है। कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कॅरियर स्विच करने से पहले कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अगर आप भी कॅरियर स्विच करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आप अपने इस फैसले को लेकर कितना श्योर हैं। क्योंकि प्रोफेशन लाइफ में कदम रखने के बाद आप यह बहुत अच्छे से समझ सकते हैं कि इस मोड़ पर कॅरियर स्विच करना कैसा होगा। ऐसे में क्या आप इस फैसले के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। आप चाहें, तो संबंधित फील्ड के अनुभवी और एक्सपर्ट लोगों से सलाह ले सकते हैं। उनकी राय आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी।

आप जिस भी फील्ड में जाना चाहते हैं, वहां पर कॅरियर के क्या ऑप्शन हैं, आपका फ्यूचर कितना सिक्योर है और आगे कहां तक प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाएंगे। इस सारी बातों पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। इसलिए यह फैसला जल्दबाजी में न लें। बल्कि सोच-समझकर आगे बढ़ें।

सबसे पहले यह चेक करलें कि दूसरे कॅरियर में स्विच करने के लिए आपके पास पर्याप्त क्वालिफिकेशन और स्किल्स हैं या नहीं। अगर आपके पास पर्याप्त स्किल और क्वालिफिकेशन नहीं है, तो पहले यह सोचें कि आप जॉब के साथ क्वालिफिकेशन और स्किल्स को पूरा करेंगे, या फिर छोड़कर।

अगर आप नौकरी के साथ यह करते हैं, तो क्या आप इसके लिए पर्याप्त समय निकाल पाएंगे या नहीं। अगर आप जॉब के साथ इसको नहीं कर पाएंगे, तो क्या आपके पास इसके लिए पर्याप्त सेविंग्स हैं या नहीं। क्योंकि आपको भी नए प्रोफेशनल में सेटल होने में समय लग सकता है। आप जिस भी फील्ड में स्विच करने की सोच रहे हैं, तो उस फील्ड के लोगों के साथ नया नेटवर्क तैयार करने का प्रयास करें। जिससे की आपको उस फील्ड में आने वाली नौकरी के बारे में मालूम हो सके।



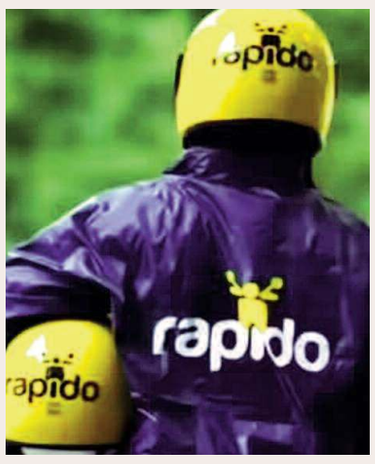
कारोबार को लेकर टकराव

रैपिडो में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी स्विगी

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने एक बड़ा फैसला लिया है। स्विगी अब बाइक टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो में अपनी हिस्सेदारी बेच रही है। कंपनी के बोर्ड ने इस बिक्री को मंजूरी दे दी है। स्विगी को इस डील से लगभग 2,400 करोड़ रुपये मिलेंगे। माना जा रहा है कि स्विगी अपनी हिस्सेदारी इसलिए बेच रही है क्योंकि रैपिडो ने भी फूड डिलीवरी बिजनेस में कदम रख दिया है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, स्विगी रैपिडो के 10 इक्विटी शेयर और 1,63,990 सीरीज डी कंपल्सरी कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर प्रोसस की सहयोगी कंपनी एमआईएच इन्वेस्टमेंट्स वन को बेचेगी। यह सौदा 1,968 करोड़ रुपये का होगा। इसके अलावा, स्विगी वेस्टब्रिज कैपिटल के सेटू एआईएफ ट्रस्ट को 35,958 प्रेफरेंस शेयर बेचेगी। इससे स्विगी को 431.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। स्विगी का कहना है कि यह फैसला शेयरधारकों के फायदे के लिए किया गया है। कंपनी अपने निवेश को भुनाना चाहती है।

फैसले के उलट बिक्री





यह बिक्री स्विगी के साल 2022 के फैसले के बिलकुल उलट है। तब स्विगी ने रैपिडो में 180 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। उस समय रैपिडो का वैल्यूएशन लगभग 800 मिलियन डॉलर था। स्विगी ने कहा था कि इस निवेश से उसकी डिलीवरी फ्लीट और रैपिडो के कैप्टन्स के लिए कमाई के मौके बढ़ेंगे। रैपिडो के पास तब 2.5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक और 15 लाख कैप्टन थे। कंपनी छोटे शहरों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती थी।

साल 2025 में बदल गए हालात

हालांकि साल 2025 के मध्य तक हालात बदल गए। रैपिडो ने अपनी फूड डिलीवरी सर्विस शुरू कर दी। इससे स्विगी के मुख्य कारोबार में टकराव होने लगा। स्विगी के सीईओ हर्ष मजेटी ने जुलाई में कहा था, जब हम ढाई साल पहले रैपिडो में शामिल हुए थे, तब वह एक मोबिलिटी प्लेयर थी और अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। दुर्भाग्य से, उन्होंने खुद फूड डिलीवरी में उतरने का फैसला किया। इससे हमें टकराव का एहसास हुआ।

बैंक करेंगे पैसों की बारिश...

5 बैंकिंग स्टॉक अगले 1 साल में दे सकते हैं 30 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न



नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी में कटौती से कई सेक्टर में बूम आने की संभावना है। वहीं इन सेक्टर के शेयर भी रॉकेट हो सकते हैं। इनमें ऑटो, एफएमसीजी, बैंकिंग, सीमेंट आदि शामिल हैं। वहीं बात अगर बैंकिंग सेक्टर की करें तो अगले एक साल में इस सेक्टर के कुछ स्टॉक निवेशकों को झोली भर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सेक्टर के कुछ स्टॉक एक साल में 30 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं।

दरअसल, बैंकिंग सेक्टर है विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का बहुत ज्यादा पैसा लगा है। इसके बावजूद, अगर आप पूरी तस्वीर देखें, तो बैंकिंग शेयरों में उतनी ज्यादा बिकवाली नहीं हुई है जितनी कि स्वास्थ्य द्वारा बड़े पैमाने पर पैसा निकालने पर होनी चाहिए थी। इसका मतलब साफ है कि अब बैंकिंग सेक्टर को दूसरे सेक्टरों से अलग तरह से देखने का समय आ गया है, जहां बिकवाली हो रही है। ऐसे में बैंकिंग सेक्टर से स्टॉक्स से अच्छे रिटर्न की उम्मीद की जा सकती है।

एचडीएफसी बैंक

यह सबसे बड़ा प्राइवेट बैंक है। बुधवार को सुबह इसमें करीब एक फीसदी की गिरावट थी। इस गिरावट के साथ यह शेयर बीएसई पर 948.20 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक साल में यह शेयर 7 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे चुका है। इसका अपसाइड पोटेंशियल 45 फीसदी से है। यानी यह शेयर एक साल में 45 फीसदी रिटर्न दे सकता है।

सिटी यूनियन बैंक

यह बैंक भी निवेशकों को अगले एक साल में जबरदस्त रिटर्न दे सकता है। बुधवार सुबह यह शेयर करीब 3 फीसदी की तेजी के साथ 211 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक साल में इसका रिटर्न 25 फीसदी से ज्यादा रहा है। इसका अपसाइड पोटेंशियल 37 फीसदी से है। यानी यह शेयर अगले एक साल में निवेशकों को 37 फीसदी रिटर्न दे सकता है।

आईसीआईसीआई बैंक

यह देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट बैंक है। बुधवार सुबह यह शेयर करीब एक फीसदी की गिरावट के साथ 1381.35 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक साल में इसका रिटर्न बहुत अच्छा नहीं रहा है। एक साल में इसने करीब 5 फीसदी रिटर्न दिया है। इसके बावजूद रिपोर्ट में इसमें भरोसा जताया गया है। एक साल में यह 36 फीसदी रिटर्न दे सकता है।

करूर वैश्य बैंक

इस बैंक का शेयर भी अगले एक साल में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। बुधवार सुबह यह शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 216.20 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक साल में रिटर्न के मामले में इसने निवेशकों को खुश कर दिया है। एक साल में इसका रिटर्न 17 फीसदी से ज्यादा रहा है। अगले एक साल में यह 35 फीसदी रिटर्न दे सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा

यह सरकारी बैंक भी निवेशकों पर पैसों की बारिश कर सकता है। बुधवार सुबह इसमें डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह शेयर 257.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि पिछले एक साल के रिटर्न के मामले में इसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। यह रिटर्न करीब 5.50 प्रतिशत रहा है। ब्रोकरेज फर्म स्वास्थ्य की रिपोर्ट बताती है कि अगले एक साल में यह शेयर 30 फीसदी रिटर्न दे सकता है।

बस बनाने वाली कंपनी के शेयर पर गोल्डमैन सैक्स अलर्ट, शेयर बेचने की होड़



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख कमर्शियल व्हीकल निर्माता कंपनी अशोक लीलैंड लिमिटेड के शेयर बुधवार, 24 सितंबर को शुरुआती कारोबार में लगभग 3 प्रतिशत तक गिरावट के साथ खुले। इस गिरावट की मुख्य वजह ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स द्वारा कंपनी के स्टॉक पर दिया गया डाउनग्रेड है। बुधवार को अशोक लीलैंड का शेयर 140.70 पर 2.36 प्रतिशत गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा था। हालांकि, स्टॉक ने इस साल अब तक 35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है।

गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट

गोल्डमैन सैक्स ने अशोक लीलैंड को न्यूट्रल रेटिंग दी है और इसका प्राइस टारगेट 140 तय किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में आए जोरदार रैली के बाद अब स्टॉक में लिमिटेड अपसाइड बची है। ब्रोकरेज के अनुसार, भारी टन भार वाले वाहनों की ओर शिफ्ट और कमर्शियल व्हीकल उद्योग में मार्जिन सुधार की संभावनाएँ अब ज्यादातर मौजूदा स्टॉक प्राइस में शामिल हो चुकी हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था अब कैपेक्स (निवेश) आधारित मॉडल से हटकर कंजम्पशन (खपत) आधारित मॉडल की ओर बढ़ रही है। अगले 12 महीनों में कारों की बिक्री की वृद्धि दर कमर्शियल वाहनों की तुलना में ज्यादा रहने की संभावना है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के भाव सातवें आसमान से थोड़े नीचे आए हैं। त्योहारी सीजन में आज 24 कैरेट गोल्ड 270 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ है। वहीं चांदी में भी 362 रुपये प्रति किलो की गिरावट है। बुलियन मार्केट में सोना आज बिना जीएसटी 114044 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं, चांदी बिना जीएसटी 134905 रुपये पर खुली। 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत अब 117465 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 138952 रुपये प्रति किलो पर है।

आइबीजेए के मुताबिक मंगलवार को सोना बिना जीएसटी 114314 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी बिना जीएसटी 135267 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। बता दें इस सितंबर में सोना 11656 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 17333 रुपये का उछाल आया है। आईबीजेए के रेट्स के मुताबिक अगस्त के अंतिम कारोबारी दिन को सोना 102388 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बंद हुआ था। चांदी भी 117572 रुपये प्रति किलो के रेट पर बंद हुई थी।

कैरेट के हिसाब से आज गोल्ड के भाव

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 269 रुपये कम होकर 113587 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 116994 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।



22 कैरेट गोल्ड की कीमत

22 कैरेट गोल्ड की कीमत 248 रुपये टूटकर 104464 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जीएसटी संग यह 107597 रुपये है।

18 कैरेट गोल्ड की कीमत

आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 203 रुपये गिरकर 85533 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली और जीएसटी के साथ यह 88098 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

सोने की कीमतों से दुबई के कारोबारी भी मुश्किल में

दुबई में भारतीय गहनों के बड़े आयातकों में शुमार बाफलेह ज्वैलरी पर सोने की बढ़ती कीमतों का गहरा असर पड़ा है। कंपनी के मुताबिक, इस साल पहले आठ महीनों में भारत से उनका आभूषण आयात पिछले साल के मुकाबले लगभग आधा रह गया है। कीमतों में भारी उछाल के चलते गहनों की मांग में 20 से 30 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

तीन महीने में कहां से कहां पहुंच गया सोना– कंपनी के प्रबंध निदेशक रमेश वोरा ने बताया कि सोने की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ी हैं। सिर्फ तीन महीनों में यह प्रति औंस 2,200–2,500 डॉलर से बढ़कर 3,600 डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने आशंका जताई कि यह 4,000 डॉलर तक भी जा सकती है।

आने वाला है 53 करोड़ यूजर्स वाले फोनपे का आईपीओ



सेबी के पास गोपनीय दस्तावेज दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉलमार्ट की बहुमत हिस्सेदारी वाली डिजिटल पेमेंट्स कंपनी फोनपे ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस कदम का मतलब है कि कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गोपनीय दाखिले का रास्ता

मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक गोपनीय दाखिले की सुविधा सेबी द्वारा नवंबर 2022 में शुरू की गई थी। इसके तहत, कंपनी अपने व्यवसाय के संवेदनशील विवरण और वित्तीय आंकड़ों को, खासकर प्रतिद्वंद्वियों से, अंतिम लिस्टिंग के फैसले तक गोपनीय रख सकती है। इस पद्धति में, दस्तावेज सार्वजनिक नहीं होते। फोनपे के अलावा, टाटा कैपिटल, ओयो, स्विगी और फिजिक्सवाला जैसी कंपनियों ने भी इसी रास्ते का इस्तेमाल किया है।

- **फोनपे अब निवेशकों के सामने पेश होगा**– फोनपे एक प्रमुख डिजिटल पेमेंट ऐप है, जिसे अगस्त 2016 में लॉन्च किया गया था। कंपनी ने अपने मुख्य पेमेंट बिजनेस के अलावा, ऋण वितरण और स्टॉक ब्रोकिंग जैसे वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में भी विस्तार किया है। मार्च 2024 तक, फोनपे के लगभग 53 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर और 20 करोड़ मासिक सक्रिय ग्राहक हैं। यह ऐप हर महीने 770 करोड़ से अधिक लेन-देन संसाधित करती है। फोनपे ने सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल जैसे 6 देशों में अपनी सेवाएं शुरू करके वैश्विक विस्तार भी किया है।

डिफेंस सेक्टर में कंपनी ने की बड़ी डील, शेयर खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज शेयर के शेयर बुधवार को बीएसई पर 5 प्रतिशत ऊपरी सर्किट पर पहुंच गए। इसी के साथ कंपनी के शेयर 606.15 प्रति शेयर के नए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। यह शेयर इंट्रा डे ट्रेड में 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 606.15 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि उसी समय बीएसई सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत गिरकर 81,679.55 पर था। कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 3,193.33 करोड़ पर स्थिर रहा। इस शेयर का 52-सप्ताह उच्च 606.15 और न्यूनतम 35.99 रहा है।

शेयरों में तेजी की वजह

बता दें कि कंपनी के शेयरों में यह तेजी उस समय आई जब कंपनी ने यूरोपीय ऑफशोर ऑयल और गैस वेसल्स की प्रमुख कंपनी रॉयल आईएचसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के तहत दोनों साझेदार अपनी विशेषज्ञता, इंफ्रास्ट्रक्चर और भौगोलिक लाभों को मिलाकर ऑफशोर ऑयल और गैस वेसल्स सहित अन्य प्रकार के जहाजों का डिजाइन, निर्माण और रेट्रोफिटिंग करेंगे। शेयर बाजारों को दी गई जानकारी में स्वान डिफेंस ने कहा कि उसने डच फर्म के भारतीय प्रतिनिधि, अलार इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से रॉयल आईएचसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनियों ने निकाल लिया तोड़!

ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा जीएसटी रिफॉर्म का बेनिफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी रिफॉर्म की नई दरें लागू होने के बाद आम लोगों को कई सामानों की खरीद पर राहत तो मिली है, लेकिन खाने पीने के कुछ आइटम्स पर अब भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। दरअसल, कुछ कंपनियों ने पैकेज वाले फूड का रेट कम करने की जगह उनका वजन बढ़ा दिया है। इससे लोगों को जीएसटी रिफॉर्म का फायदा नहीं मिल पा रहा है वहीं मंगलवार को भी ग्रॉसरी के कई आइटम पर राहत न मिलने से ग्राहक और कारोबारी परेशान नजर आए।

दरअसल, 22 सितंबर से जीएसटी रिफॉर्म की नई दरें लागू हो चुकी है। इसमें सरकार ने जीएसटी में 5 प्रतिशत और 18 के अलावा बाकी स्लैब को खत्म कर दिया है। इसके बाद कई सामान के दाम कम हुए हैं, लेकिन लोगों की शिकायत है कि ये राहत कुछ फूड आइटम पर नहीं मिल रही है। रोहिणी के रिटेल कारोबारी प्रवीण गोयल ने बताया कि खाने पीने के पैक्ड आइटम जैसे घी, जूस, सॉस, नमकीन का पैकेट समेत कई ऐसे आइटम है, जिन पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था, लेकिन जीएसटी रिफॉर्म के बाद इन पर 5 प्रतिशत वाला स्लैब लग रहा है।

कैसे घुमा रही हैं कंपनियां

मगर इसका फायदा ग्राहकों को नहीं मिल पा रहा है। पुराने स्टॉक के आइटम पुराने एमआरपी ही बेचे जा रहे हैं। प्रवीण ने बताया कि इस वक्त कंपनियां अलग ही चाल चल रही हैं वजन बढ़ाकर ग्राहकों को घुमाया जा रहा है जैसे कुछ समय पहले एक केक की कीमत 20 रुपये थी, तब उसका वजन 44 ग्राम था, लेकिन कंपनी ने उसका रेट कम करने की जगह अब वजन 50 ग्राम कर दिया है। इससे नई दरों का फायदा लोगों को सीधे नहीं मिल पा रहा है।

साइकल-खिलौने के दाम हुए कम

साइकल के रेट में 7 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। अब नए रेट पर ही साइकल बेची जा रही है। वहीं, खिलौने के कारोबारी निराश हैं। खिलौना कारोबारी राजीव बत्रा ने कहा कि थोड़ी राहत है, लेकिन टेंशन ज्यादा है क्योंकि, खिलौने पर अगर म्यूजिक हॉर्न लगा तो उस पर 12 की जगह अब 18 प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे ऐसे म्यूजिक वाले खिलौने महंगे होंगे। सरकार के इस फैसले के विरोध में खिलौने से जुड़े संगठनों ने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है।

- **कपड़ों की बिक्री में तेजी**– वी-मार्ट रिटेल के मैनेजिंग डायरेक्टर ललित अग्रवाल का कहना है कि लोगों का रिस्पॉन्स अच्छा रहा है। खासकर 1,000 रुपये से ऊपर के प्रोडक्ट के लिए क्योंकि उन पर जीएसटीकी छूट ज्यादा है। उन्होंने कहा कि वे आने वाले दिनों में 1,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले प्रोडक्ट की रेंज बढ़ाएंगे। जीएसटीमें बदलाव के कारण ऑटो के दाम 6.25-10 प्रतिशत तक कम हो गए हैं। 4 मीटर से छोटी कारों के दाम सबसे ज्यादा कम हुए हैं। 32 इंच और उससे बड़े टीवी और डिशवॉशर पर जीएसटी28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। 2,500 रुपये तक के कपड़े और जूतों पर जीएसटीसबसे कम 5 प्रतिशत है। पहले 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूतों पर जीएसटी5 प्रतिशत था और उससे ऊपर के सामान पर 12 प्रतिशत



महंगे मॉडल ज्यादा किफायती

जाटो डायनेमिक्स के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर रवि भाटिया का कहना है कि जीएसटी में बदलाव से महंगे मॉडल ज्यादा किफायती हो गए हैं। इससे बाजार में महंगी चीजें खरीदने का ट्रेंड और बढ़ेगा। इस साल ज्यादातर कंज्यूमर गुड्स जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और कारों की मांग कम रही है। ज्यादातर कैटेगरी में बिक्री या तो स्थिर रही है या कम हुई है। 16 अगस्त से बिक्री 10 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई थी, क्योंकि ग्राहक जीएसटी के फायदे का इंतजार कर रहे थे, जो 22 सितंबर से लागू हुए। अगस्त 2025 में भारत में कारों की बिक्री 7.3 प्रतिशत घटकर लगभग 330,000 यूनिट रह गई।

टाटा की कौन सी गाड़ी खरीद रहे लोग

टाटा मोटर्स के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अमित कामत का कहना है कि जीएसटीमें कटौती और ऑफर्स से लोगों में खुशी का माहौल है। कुछ ग्राहक टियागो और सीएनजी मॉडल जैसे वैल्यू-ड्रिवन ऑप्शन चुन रहे हैं, जबकि कुछ नेक्सन और पंच के बेहतर मॉडल खरीद रहे हैं या हैरियर और सफारी जैसी प्रीमियम एसयूवी की तरफ जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि लोगों को ज्यादा फीचर्स, आराम और लाइफस्टाइल वाली गाड़ियां पसंद आ रही हैं।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया सस्पेंड

टी-20 वर्ल्डकप और एलए 2028 ओलिंपिक में अमेरिकी टीमें खेलती रहेंगी



नईदिल्ली (एजेंसी)। यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को नियम तोड़ने की वजह से आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट) ने निलंबित कर दिया है। इसका मतलब है कि यूएसएसी अब आईसीसी की पूर्ण सदस्यता के अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाएगा। हालांकि, अमेरिका की क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट और 2028 ओलिंपिक की तैयारियों में हिस्सा ले सकेंगी। आईसीसी अब यूएसएसी को सुधार करने का मौका देगा और इसकी निगरानी करेगा, ताकि भविष्य में निलंबन हटाया जा सके। यह कदम क्रिकेट को अमेरिका में और मजबूत करने और इसकी छवि को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।अमेरिका ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के कुछ मैचों की मेजबानी की थी।

टीम पर क्या असर पड़ेगा

- आईसीसी ने साफ किया कि निलंबन का असर अमेरिकी टीम की भागीदारी पर नहीं पड़ेगा।
- फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका की टीम खेल सकेगी।
- लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में भी अमेरिका की पुरुष और महिला टीमें हिस्सा ले पाएंगी।
- आईसीसी अस्थायी रूप से अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के प्रबंधन और संचालन की जिम्मेदारी खुद संभालेगा।
- निलंबन खत्म करने के लिए अमेरिका क्रिकेट को क्या करना होगा

इसीलिए हुआ निलंबन

- आईसीसी ने एसएसी को पहले 2024 की वार्षिक आम बैठक में गैर-अनुपालन के लिए नोटिस पर रखा था। ब्रश्ट को अपनी कमियों को सुधारने के लिए 12 महीने का समय दिया गया था। जुलाई 2024 में आईसीसी सदस्यों ने एसएसी को 'नोटिस' पर बनाए रखने और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने तथा शासन सुधार करने का निर्देश दिया था। आईसीसी के अनुसार, यूएसएसी पर इन कारणों से लगाया गया है बैन।
- प्रशासनिक ढांचे की कमी- यूएसएसी एक कार्यात्मक शासन संरचना लागू करने में विफल रहा।
- यूएस ओलिंपिक और पैरालंपिक समिति के साथ राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा प्राप्त करने में प्रगति की कमी। यूएसएसी ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए।
- क्रिकेट की छवि को नुकसान- एसएसी के कुछ कदमों ने अमेरिका और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

युवराज सिंह से ईडी ने 7 घंटे पूछताछ की

सट्टेबाजी एप प्रमोशन केस में पूछे सवाल; बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी समन



जालंधर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह मंगलवार दोपहर 12.15 बजे दिल्ली के ईडी ऑफिस पहुंचे। यहां अधिकारियों ने शाम साढ़े 7 बजे तक उनसे ऑनलाइन बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ की। कुछ दिन पहले युवराज सिंह को जांच एजेंसी ने दिल्ली स्थित दफ्तर में पेश होने के लिए समन भेजा था। युवराज सिंह के अलावा एक्ट्रेस अन्वेशी जैन से भी पूछताछ की गई। युवराज सिंह से पहले ईडी शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से पहले ही पूछताछ कर चुकी है। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी 24 सितंबर को पेश होने का समन भेजा गया है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग-

भारत चारों कैटेगरी में टॉप पर बरकरार

लगातार दूसरे हफ्ते इंडिया टॉप टीम

- अभिषेक बैटर, वरुण बॉलर्स, हार्दिक ऑलराउंडर्स में नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में लगातार दूसरे हफ्ते भी बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर बरकरार हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर मौजूद है।

पिछले सप्ताह ही सभी चारों कैटेगरी में भारत का दबदबा बना था। ऐसा पहली बार हुआ कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया।

वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बने हुए हैं। बैटर अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर बरकरार - बैटर्स में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज के मुकाबले में 38 और रविवार को पाकिस्तान के 74 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा, तिलक वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुच गए हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	907
2	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	844
3	तिलक वर्मा	भारत	791
4	जोस बटलर	इंग्लैंड	785
5	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	771
6	सूर्यकुमार यादव	भारत	729
7	पाथुम निसांका	श्रीलंका	728
8	टिम साइफर्ट	न्यूजीलैंड	725
9	टिम डेविड	ऑस्ट्रेलिया	676
10	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	674

टी-20 ऑलराउंडर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	हार्दिक पंड्या	भारत	238
2	मोहम्मद नबी	अफगानिस्तान	231
3	सिकंदर रजा	जिम्बाब्वे	212
4	दीपेंद्र सिंह ऐरी	नेपाल	209
5	सईम अयूब	पाकिस्तान	201
6	रोस्टन चेज	वेस्टइंडीज	196
7	वनिंदू हसरंगा	श्रीलंका	190
8	रोमारियो शेफर्ड	वेस्टइंडीज	183
9	लियम लिविंगस्टन	इंग्लैंड	181
10	मार्कस स्टोयनिस	ऑस्ट्रेलिया	179

वरुण चक्रवर्ती टॉप बॉलर

बॉलर्स रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती टॉप पर बने हुए हैं। 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन जारी है। फिलहाल उनका रेटिंग पॉइंट 747 हो गया है। वरुण ने पिछले सप्ताह ही नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के जैकब डफी हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान छह स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में वापस आ गए हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप में अपने पिछले दो मैचों में छह विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पंड्या पहले नंबर पर

भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद 12 स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिलहाल उनकी रेटिंग पॉइंट्स 703 है।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लिया

पीठ की समस्या और दबाव के कारण फैसला लिया, अब वनडे-टी-20 पर फोकस करेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को सूचित किया है कि वह अब लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं।यह फैसला उन्होंने लखनऊ में चल रहे इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मैच से हटने के दो दिन बाद लिया। दो महीने के बाद 31 साल के होने वाले अय्यर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर अपनी परेशानी बताई। अय्यर ने कहा कि उनके लिए लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का दबाव झेलना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पीठ में तकलीफ महसूस हो रही है। इसी कारण उन्होंने इंडिया-ए के मैच से नाम वापस ले लिया।

अय्यर टी-20 और वनडे पर कर सकेंगे फोकस

अय्यर का यह फैसला उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। अब वह वनडे और टी-20 क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, पीठ की समस्या को ठीक करने के लिए वह रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर भी काम कर सकते हैं।



टेस्ट टीम चयन से पहले बड़ा कदम

चयनकर्ता 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैचों की वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 24 सितंबर को टीम चुनने वाले हैं। माना जा रहा था कि सिलेक्टर्स अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का मौका दे सकते हैं। अय्यर फरवरी 2024 से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। लेकिन उनके इस फैसले के बाद अब यह संभावना खत्म हो गई है।

टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का प्रदर्शन

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 से टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं की है। उन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनकी एकमात्र शतकीय पारी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में डेब्यू टेस्ट में आई थी।

हाल ही में दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने निराश किया, जहां उन्होंने 25 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंडिया-ए के लिए पिछले हफ्ते वह सिर्फ 8 रन ही बना सके। हालांकि, पिछले घरेलू फर्स्ट क्लास सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने उन्हें इंडिया-ए का कप्तान बनाया था।

अंपायर डिकी बर्ड का 92 साल की उम्र में निधन

तीन वर्ल्ड कप फाइनल में अंपायर रहे



लंदन (एजेंसी)। दिग्गज अंपायर डिकी बर्ड का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। इंग्लैंड की यॉर्कशायर काउंटी ने इसकी जानकारी दी। क्लब ने एक बयान जारी कर बताया-क्रिकेट की सबसे चहेते चेहरों में से एक आज हमारे बीच नहीं रहे। डिकी बर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर अंपायर खूब सफलता प्राप्त की। उनका नाम क्रिकेट इतिहास में सबसे लोकप्रिय मैच ऑफिशियल के रूप में याद रखा जाएगा। हेराल्ड डेनिस बर्ड उर्फ डिकी बर्ड का जन्म 19 अप्रैल 1933 को बानस्ली में हुआ। उन्होंने अपना पूरा जीवन क्रिकेट को समर्पित कर दिया। उन्होंने क्रिकेट की दीवानगी के चलते कभी शादी भी नहीं की। डिकी ने इंग्लैंड में यॉर्कशायर और लीसेस्टरशायर क्लब के लिए क्रिकेट खेला, लेकिन उन्हें बतौर अंपायर ज्यादा पहचान मिली। वे भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत के गवाह भी बने।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

बेन स्टोक्स कप्तान और हैरी ब्रुक उपकप्तान चुने गए, 6 फास्ट बॉलर्स को मौका

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड को 21 नवंबर से 8 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। ओली पोप से उपकप्तानी छीन ली गई है। उनकी जगह युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को यह जिम्मेदारी दी गई है। भारत के खिलाफ जुलाई-अगस्त में हुई सीरीज में ओली पोप उपकप्तान थे। हालांकि, पोप 16 मेंबर्स वाली टीम में अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं। इसके अलावा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ न्यूज़ीलैंड में होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज के लिए भी इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले इंग्लैंड की टीम न्यूज़ीलैंड जाएगी। वहां 18 अक्टूबर से नवंबर तक इंग्लैंड को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं।



- **न्यूजीलैंड के ख़िलाफ टी-20 सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, सोनी बेकर, टॉम बैंटॉन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्राउली, सैम करन, लियाम डाउसन, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, फिल साल्ट और ल्यूक वुड।
- **न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटॉन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम डाउसन, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, जो रूट, जेमी स्मिथ और ल्यूक वुड।
- **एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम** - बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक (उपकप्तान), ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और मार्क वुड।

मप्र-मिनी ब्राजील में 4 पीढ़ियां फुटबॉलर, 5 बच्चे जाएंगे जर्मनी

शहडोल के प्लेयर्स को विदेशी कोच देंगे ट्रेनिंग; मां बोलीं- हम खुश, बेटा हवाईजहाज में बैठेगा

भोपाल (एजेंसी)। म.प्र.शहडोल के विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। इनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 'मिनी ब्राजील' कहे जाने वाले विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। 2 अक्टूबर को ये सभी भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और वहां से जर्मनी जाएंगे। इनके साथ महिला कोच भी रहेंगी। जो खिलाड़ी सिलेक्ट हुए हैं, उनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। दरअसल, शहडोल जिले के आदिवासी बाहुल्य गांव विचारपुर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिनी ब्राजील नाम दिया है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव में 60 नेशनल फुटबॉल प्लेयर्स हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में विचारपुर का जिक्र किया था। उसके बाद अमेरिकी पॉडकास्ट होस्ट लेक्स फ्रीडमैन से बातचीत के दौरान भी यहां के खिलाड़ियों के बारे में बताया। पीएम के बार-बार विचारपुर का जिक्र करने के बाद जर्मनी के फुटबॉल कोच डायटमार बेयर्सडॉर्फर ने यहां के 5 बच्चों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई थी।

ग्राम पंचायत के ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते हैं - विचारपुर गांव में न तो फुटबॉल का कोई स्टेडियम है, न ही कोई फुटबॉल सिखाने वाली एकेडमी। यहां के बच्चे गांव के बुजुर्गों को देखकर ही फुटबॉल खेलना सीखे हैं। सीनियर कोच अनिल सिंह रेलवे में नौकरी करते हैं।

वे कहते हैं कि जब भी समय मिलता है, बच्चों को फ्री ट्रेनिंग देने आता हूं। इसी तरह इस गांव से निकले 10-12 कोच हैं, जो यहां बच्चों को ट्रेनिंग देने आते हैं। मैंने खुद भी



पंचायत के इस ग्राउंड में प्रैक्टिस की है। मेरा 3 साल का बेटा भी यहीं खेलता है। वो चौथी पीढ़ी का खिलाड़ी है। अनिल सिंह बताते हैं कि गांव के मुरलीधर कुण्डे और उनके भाई सुरेश कुण्डे ने 80 के दशक में फुटबॉल खेलना शुरू किया था।

23 साल पहले नेशनल गेम्स में खेलना शुरू किया - अनिल सिंह ने कहा- उस समय इस ग्राउंड में शाम के 6 बजे के बाद कोई आना पसंद नहीं करता था। ये शराबियों का अड्डा हुआ करता था। गांव तक पहुंचने के लिए सड़कें-लाइट कुछ नहीं था। कुण्डे भाइयों ने युवाओं को फुटबॉल से जोड़ा। सुरेश कुण्डे से लेकर हमारी पीढ़ी तक के खिलाड़ी स्टेट और नेशनल गेम्स के बारे में नहीं जानते थे। हम लोग स्थानीय स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करते थे। एक बार विचारपुर की टीम का मैच दूसरी तहसील में हुआ। वहां के पीटी टीचर रईस अहमद ने देखा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ छोटे बच्चे भी खेल रहे हैं। उन्होंने बच्चों पर ध्यान दिया। उन्हें ट्रेनिंग दी। इसके बाद उन्होंने बच्चों को स्कूलों से जोड़कर स्टेट और नेशनल गेम्स खिलाए। हमारे गांव के खिलाड़ियों ने पहली बार साल 2002 में पहला नेशनल गेम खेला था। आज हालात ये हैं कि बच्चों के अंदर फुटबॉल को लेकर जुनून है।

मां बोली- खुश हैं कि बेटा विदेश जाएगा - वीरेंद्र का घर विचारपुर के खेल मैदान से करीब 300 मीटर दूर जंगल में है। मीडिया से मां सुनीता बाई ने कहा- गांव के लड़के फुटबॉल खेलते थे, तो मेरा बेटा भी उनके साथ जाकर खेलने लगा। हम भी उसे भेज देते थे।

अबरार-हसरंगा ने सेलिब्रेशन कॉपी करके एक-दूजे को चिढ़ाया

बॉलर पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान, बाउंसर से फखर का हेलमेट टूटा,श्रीलंका की 5 विकेट से हार

अबु धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सुपर-4 मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 5 विकेट से जीता। इस लो-स्कोरिंग मैच में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद और श्रीलंकाई ऑलराउंडर के बीच जमकर तकरार देखने को मिली। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू गंवाने के बाद अपने ही गेंदबाज पर भड़क गए। इन सब के बीच दुष्मंथा चमीरा की बाउंसर फखर जमान के हेलमेट पर लगी। इससे उनका हेलमेट टूट गया और उन्हें हेलमेट बदलना पड़ा। ऐसे ही कुछ टॉप मोमेंट्स ने अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को और रोचक बना दिया था



दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल 14 बार शून्य पर आउट - श्रीलंकाई बैटर दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 14 बार शून्य पर आउट होने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने रवांडा के केविन इराकोज (13 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा।

कुसल मेंडिस पहली बॉल पर पवेलियन लौटे - अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंकाई टीम ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। उसके ओपनर कुसल मेंडिस अपनी पहली बॉल पर पवेलियन लौट गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने तलत हुसैन के हाथों कैच कराया।

अबरार ने हसरंगा को उन्हीं के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया

13वें ओवर की पहली बॉल पर अबरार अहमद ने वानिंदू हसरंगा को क्लीन बोल्ड कर दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी स्पिनर ने हसरंगा को उन्हें के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया। वे अपने दोनों हाथों के कंधे के पास ले गए और मुट् ?ठी बांधकर हिलाते हुए सेलिब्रेट किया। जैसे कि हसरंगा अपने विकेट सेलिब्रेट करते हैं। यहां पर श्रीलंकाई टीम ने छठा विकेट गंवाया। हसरंगा 15 रन बनाकर आउट हुए।

रिव्यू गंवाने के बाद अबरार पर भड़के सलमान

पाकिस्तानियों ने 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर चमिका करुणारत्ने के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नकार दिया। अबरार अहमद के जोर देने के कप्तान सलमान आगा ने रिव्यू मांगा।रिप्ले देखने से पता चला कि बॉल न तो बल्लेबाज के बैट से लगी और न ही पैड से। वीडियो में दिखा की बॉल करुणारत्ने के हाथ से लगकर उछली थी। ऐसे में पाकिस्तान को विकेट तो नहीं मिला, टीम ने एक रिव्यू जरूर गंवा दिया। ऐसे में कप्तान सलमान अबरार अहमद पर भड़क गए। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने अबरार अहमद के कहने पर रिव्यू लिया था।



'निशानची' में रिंकू के किरदार में हो रही वेदिका पिंटो की चर्चा

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अब रिलीज के बाद भी दर्शकों से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के रिलीज होने के बाद अब मुख्य अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के अलावा अगर किसी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वो हैं वेदिका पिंटो। वेदिका 'निशानची' की हीरोइन हैं।

बचपन से डांस में थी रुचि

मुंबई में एक ईसाई परिवार में जन्मीं वेदिका पिंटो के पिता जॉनी पिंटो एक हिंदी फिल्म बिजनेस एसोसिएट थे और मां बैंकर हैं। वेदिका को शुरू से ही एक्टिंग और डांस में रुची थी। स्कूल के समय में उन्होंने कई नेशनल और इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से ग्रेजुएशन किया है।

म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी'से मिली पहचान

बॉलीवुड में एंट्री से पहले वेदिका कुछ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं। वेदिका को पहचान 2019 में आए ऋत्विज के म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी' से मिली। यह गाना काफी पसंद किया गया इसके बाद वो अरमान मलिक के गाने 'बस तुझसे प्यार हो' में भी नजर आईं।

'ऑपरेशन रोमियो' से की बॉलीवुड में शुरुआत

कई ऑडिशन देने के बाद वेदिका को पहली फिल्म मिली साल 2022 में, जब वो नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'ऑपरेशन रोमियो' में नजर आईं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इसके बाद वो आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'गुमराह' में नजर आईं। यह फिल्म भी कुछ खास नहीं रही।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं वेदिका

वेदिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वेदिका के 2 लाख 53 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं।

'निशानची' में वेदिका ने निभाया है डांसर का किरदार

'निशानची' वेदिका पिंटो की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वेदिका ने रिंकू का किरदार निभाया है, जो एक डांसर है। फिल्म में वेदिका के अभिनय की काफी तारीफ भी हो रही है। अनुराग कश्यप ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वेदिका के अभिनय की तारीफ की थी। अब देखना ये है कि क्या 'निशानची' वेदिका के करियर में मील का पत्थर साबित होगी या नहीं?





नेशनल टीवी पर शादी करेंगी अविका गौर

टीवी की दुनिया में 'बालिका वधू' से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ शो पति, पत्नी और पंगा में नदजर आ रही हैं। अवीका अब अपनी जिंदगी का सबसे खास अध्याय शुरू करने जा रही हैं। दरअसल अविका अपने मंगेतर मिलिंद चंदवानी के साथ 30 सितंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। खास बात यह है कि उनकी ये शादी केवल परिवार और दोस्तों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया इसे नेशनल टेलीविजन पर देख पाएगी।

अविका ने किया कन्फर्म

अविका ने इस खुशी को साझा करते हुए कहा कि अभी भी उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि यह सब सच में हो रहा है। एचटी सिटी से बातचीत में उन्होंने कहा, कभी-कभी सुबह उठते ही खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह सपना नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का हकीकत है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे मिलिंद जैसा साथी मिला, जो न केवल मेरा समर्थन करते हैं बल्कि मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। शो में शादी करने के पीछे का आइडिया 28 साल की अविका ने अपनी शादी को नेशनल टेलीविजन पर दिखाने का फैसला यूं ही नहीं लिया। उन्होंने कहा कि साल 2008 से वो लगातार लोगों के सामने रही हैं और दर्शकों से उन्हें हमेशा बेहिसाब प्यार और दुआएं मिली हैं। यही वजह है कि उन्होंने चाहा कि उनके चाहने वाले भी इस सफर का हिस्सा बनें। उन्होंने मुस्कुराते हुए याद किया कि बचपन में अक्सर कहा करती थीं कि या तो उनकी शादी कोर्ट में होगी, जिसके बारे में किसी को पता भी नहीं चलेगा या फिर इतनी बड़ी होगी कि पूरा देश जश्न में शामिल होगा। अब जाकर उनका वो सपना साकार हो रहा है।

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

अविका की मानें तो उनके कुछ करीबी दोस्त जैसे हर्ष लिंबाचिया, भारती सिंह, जन्नत जुबैर और अली गोनी शूटिंग शेड्यूल के चलते शादी में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन सभी ने उन्हें वीडियो संदेश और शुभकामनाएं भेजी हैं। अविका ने भावुक होकर बताया कि नागार्जुन, अनुपम खेर और महेश भट्ट जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी उन्हें आशीर्वाद भेजा है।

परिवार का रिएक्शन

अविका ने बताया कि परिवार की बात करें तो इस फैसले को सुनकर सभी बेहद खुश हैं। अविका ने कहा, जब शादी का निमंत्रण सेट पर पहली बार दिखाया गया तो मां भावुक हो गईं। शादी के कार्ड अभी आधिकारिक रूप से बांटे नहीं गए हैं। परिवार का कहना है कि पहले वो सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, उसके बाद ही कार्ड बांटे जाएंगे। शादी के लुक को लेकर अविका ने साफ कहा है कि वो पारंपरिक अंदाज ही अपनाएंगी। उन्होंने बताया कि उनके लिए लाल रंग सबसे खास है और वो अपनी शादी में केवल लाल जोड़ा ही पहनेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेहमानों से उन्होंने हल्के रंगों के कपड़े पहनने को कहा है ताकि उनकी ब्राइडल ड्रेस अलग और खास लगे।





एक मशहूर किरदार की वजह से नई पहचान बनाने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

1998 में, जब करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदिया दी, बल्कि एक नन्हीं सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने छोटी अंजलि का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलॉग के साथ जगह बना ली। सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में कुछ कुछ होता है में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया।

बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक दोधारी तलवार साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई। सना ने बतौर बाल कलाकार 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाया। इस फिल्म में सना ने अपनी नई छवि के साथ दर्शकों को चौंकाया। उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन इसके बावजूद, दर्शकों के दिमाग में छोटी अंजलि की छवि अभी भी जस की तस थी। सना ने कई इंटरव्यूज में खुलकर बताया कि अंजलि की पहचान उनके लिए शुरुआत में बोझ बन गई थी। लोग उन्हें सेट्स पर, सड़कों पर, हर जगह अंजलि कहकर बुलाते थे। वह कहती हैं, एक समय था जब मुझे यह सुनकर शर्मिंदगी महसूस होती थी। मुझे लगता था कि लोग मेरे नए काम को देख ही नहीं रहे। यह एक ऐसा दौर था जब सना को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

सना सईद ने सिर्फ फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा और बाबुल का आंगन छूटे ना और लो हो गई पूजा इस घर की जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा, रियलिटी शोज ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। झलक दिखला जा, नच बलिए 7 और खतरों के खिलाड़ी 7 में सना ने न सिर्फ अपनी डांसिंग और स्टंट स्किल्स दिखाईं, बल्कि अपनी मजबूत और बिंदास पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया। इन शो ने सना को मासूम बच्ची की छवि से बाहर निकालने में मदद की और उन्हें एक आत्मविश्वास से भरी कलाकार के रूप में पेश किया।

समय के साथ सना का नजरिया बदला

उन्होंने महसूस किया कि छोटी अंजलि का किरदार उनके लिए कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक आशीर्वाद था। वह कहती हैं, लोगों का प्यार और उनकी यादें मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। अंजलि ने मुझे वह पहचान दी, जिसके बिना मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। सना ने अपने अतीत को स्वीकार किया और इसे अपनी ताकत बनाते हुए अपने नए सफर को अपनाया। आज सना सईद न सिर्फ एक अभिनेत्री और मॉडल हैं, बल्कि अपनी मेहनत और पैशन से लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया।

मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है

नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी।

कॉफी शॉप में हुई एक मुलाकात ने सनाया ईरानी को बना दिया अभिनेत्री

टीवी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जिनकी सादगी और मासूमियत दर्शकों को अपना दीवाना बना लेती है। सनाया ईरानी ऐसी ही अभिनेत्री हैं, जिन्हें हम 'गुंजन' (मिले जब हम तुम) और 'खुशी' (इस प्यार को क्या नाम दूं?) जैसे किरदारों से पहचानते हैं।

उनकी सफलता के पीछे कोई बड़ी योजना नहीं थी, बल्कि एक अनचाही मुलाकात और किस्मत के एक छोटे से मोड़ की कहानी है। यह किस्सा बताता है कि कैसे एक कॉफी शॉप में हुई मुलाकात ने एक मॉडल को एक लोकप्रिय अभिनेत्री बना दिया। इस बारे में सनाया ने एक इंटरव्यू में बताया था। 17 सितंबर 1983 को जन्मी सनाया ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की थी। वह उस समय मॉडलिंग की दुनिया में अपना नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। एक दिन जब वह अपने दोस्तों के साथ मुंबई के एक कैफे में बैठी थीं, तो एक जाने-माने निर्देशक की नजर उन पर पड़ी। निर्देशक उनके पास आए और कहा कि वह उन्हें अपनी एक फिल्म में लेना चाहते हैं।

सनाया पहले तो हैरान रह गईं क्योंकि उन्होंने कभी एक्टिंग के बारे में सोचा भी नहीं था। फिर भी, उन्होंने निर्देशक की बात मानकर ऑडिशन के लिए हां कर दी। जब वह ऑडिशन देने गईं, तो उन्हें एक भावनात्मक सीन करने के लिए दिया गया, जिसमें उन्हें रोना था। सनाया ने पूरी कोशिश की लेकिन वह रो नहीं पाईं। निराश होकर वह घर वापस आ गईं। उन्हें लगा कि यह मौका उनके हाथ से निकल गया। लेकिन निर्देशक को उनकी मासूमियत और ईमानदार व्यक्तित्व पसंद आ गई थी। उन्होंने सनाया से दोबारा संपर्क किया और उन्हें एक और मौका दिया। इस बार उन्हें रोने के बजाय एक सिंपल सीन दिया गया, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। यह बात शायद कम ही लोग जानते हैं कि सनाया को वह फिल्म नहीं मिली थी, लेकिन इस अनुभव ने उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया। उस निर्देशक ने सनाया को एक्टिंग में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुछ समय बाद जब एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें टीवी शो मिले जब हम तुम के लिए ऑडिशन देने को कहा, तो उन्हें वह पुराना अनुभव याद आया। उन्होंने ऑडिशन दिया और उन्हें 'गुंजन' का किरदार मिल गया। यह किरदार उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। टीवी सीरियल के अलावा सनाया ईरानी कई फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने आमिर खान की फिल्म फना में भी एक अहम किरदार निभाया था। वह रियलिटी शो बिग बॉस और झलक दिखलाजा में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

